DIGITAL
स्वर्ण खबर
लोकल से ग्लोबल तक...सत्यनैवः धर्मः

वर्ष :13 । अंक:294 । पृष्ठ : 08 । swarnkhabar@gmail.com

|| टोंक, (शुक्रवार) 08 मई 2026 ||

प्रधान संपादक : राजाराम गौत्तम (9462549799)

'अवैध रूप से रह रहे लोग वापस जाएंगे'

बांग्लादेश सरकार से सहयोग की उम्मीदः विदेश मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत ने अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की वापसी, सिंधू जल संधि (आईडब्ल्यूटी) और आतंकवाद के मुद्दे पर अपना कड़ा रुख दोहराया है।

● विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में देश से जुड़े कई मुद्दों पर सरकार की राय रखी।

सरकार ने कहा कि भारत में अवैध रूप से रह रहे सभी विदेशी नागरिकों को कानून और द्विपक्षीय समझौतों के तहत वापस भेजा जाएगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में देश से जुड़े कई मुद्दों पर सरकार की राय रखी। बंगाल में भाजपा की बंपर जीत के बाद बांग्लादेश के दो मंत्रियों की टिप्पणियां चर्चा में हैं, जिसमें अवैध प्रवासियों को वापस सीमा पार भेजने की आशंका है, तो उम्मीद है कि भारत ऐसा नहीं करेगा। बांग्लादेश के गृहमंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने पुशबैक की आशंका जताई, तो विदेश मंत्री खलीलपुर रहमान ने एक सवाल के जवाब में कहा कि अगर जबरन लोगों को हमारी ओर भेजा जाएगा तो कार्रवाई की जाएगी।

इन्हीं टिप्पणियों को लेकर पूछे सवाल पर जायसवाल ने भारत की नीति स्पष्ट की। उन्होंने कहा, 'ऐसी टिप्पणियों को एक बैकग्राउंड के रूप

में समझने की जरूरत है। मुख्य मुद्दा अवैध लोगों को यहां से वापसी का है। जाहिर है, इसके लिए बांग्लादेश के सहयोग की जरूरत है। बांग्लादेश के पास नागरिकता सत्यापन के 2,860 से ज्यादा मामले लंबित पड़े हैं, और इनमें से कई मामले पांच साल से भी ज्यादा समय से लंबित हैं। हमारी नीति है कि जो भी अवैध तरीके से रह रहे हैं, उन्हें यहां से जाना पड़ेगा। हमें उम्मीद है कि बांग्लादेश राष्ट्रीय सत्यापन करेगा ताकि अवैध रूप से रह रहे लोगों को वापस भेजा जा सके।' वहीं, आईडब्ल्यूटी यानी सिंधु जल संधि को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में जायसवाल ने कहा, 'सिंधु जल संधि पर हमारा रुख हमेशा एक जैसा रहा है। पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा दिए जाने के जवाब में आईडब्ल्यूटी को फिलहाल रोक दिया गया है। पाकिस्तान को सीमा पार आतंकवाद के समर्थन पूरी तरह और हमेशा के लिए छोड़ देना चाहिए।'

जायसवाल ने यह भी कहा कि आतंकवाद लंबे समय से पाकिस्तान की राज्य नीति का हिस्सा रहा है और भारत को अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने का पूरा अधिकार है। 7 मई की देर रात भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था; उसकी पहली वर्षगांठ पर सरकार ने कहा कि पूरी दुनिया ने पहलगाम आतंकी हमले की गंभीरता को देखा था और भारत ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का करारा जवाब दिया था।

सुवेंदु अधिकारी के पीए की हत्या में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद

मालिक की नहीं हुई पहचान

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल विधानसभा में निवर्तमान नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी के निजी सहायक (पीए) चंद्रनाथ रथ की हत्या की जांच कर रही विशेष जांच टीम ने उस मोटरसाइकिल को गुरुवार दोपहर को बरामद कर लिया, जिसका इस्तेमाल इस जघन्य हत्याकांड में किया गया था। हालांकि, जांच अधिकारी हत्या में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल और चार-पहिया वाहन के मालिकों की असली पहचान को लेकर अभी भी असमंजस में हैं। शुरुआती जांच में यह पता चला कि बुधवार रात जब अधिकारी के पीए भाजपा के एक कार्यक्रम से घर लौट रहे थे, तो मोटरसाइकिल सवार उनका पीछा कर रहा था, जिसे हत्यारा चला रहा था। अधिकारी के पीए की गाड़ी जैसे ही उत्तरी 24 परगना जिले के मध्यमग्राम स्थित दोहरिया क्रॉसिंग पर पहुंची, एक दूसरी चार-पहिया गाड़ी ने उनकी गाड़ी का रास्ता रोक दिया। जैसे ही रथ की गाड़ी उस चार-पहिया वाहन द्वारा रोके जाने के बाद रुकी, हेलमेट पहने हत्यारे द्वारा चलाई

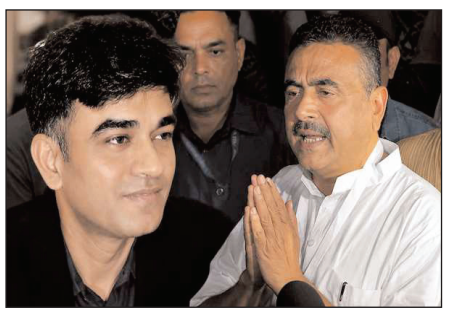

जा रही मोटरसाइकिल उसके बगल में आकर रुकी और उसने बहुत करीब से अंधाधुंध गोलियां चलाईं, जिससे रथ की मौके पर ही मौत हो गई और उनकी गाड़ी का ड्राइवर बुद्धदेव बेरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

'यह अंत नहीं, नई शुरुआत है'

केरल चुनाव में हार के बाद पहली बार बोले विजयन

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम । पिनराई विजयन ने केरल विधानसभा चुनाव में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) को मिली अप्रत्याशित हार के बाद पहली बार अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने जनता के जनादेश को विनम्रता से स्वीकार करते हुए यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) को जीत की बधाई दी और कहा कि एलडीएफ जनता का भरोसा दोबारा जीतने के लिए और अधिक मजबूती से काम करेगा। पिनराई विजयन ने कहा कि विधानसभा चुनाव के नतीजे एलडीएफ के लिए पूरी तरह अप्रत्याशित रहे। उन्होंने कहा कि तमाम 'विरोधी अभियानों और हमलों' के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों ने एलडीएफ के साथ मजबूती से खड़े रहकर समर्थन दिया, जो उनके लिए आत्मविश्वास की बात है। उन्होंने कहा कि लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने की उम्मीद टूटने के बावजूद यह जनसमर्थन महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि एलडीएफ के लिए यह जनादेश अंत नहीं, बल्कि

निरंतर राजनीतिक कार्य का एक नया प्रारंभ है। विजयन ने भरोसा जताया कि पिछले 10 वर्षों में सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं ने समाज में बड़े बदलाव लाए हैं। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं को रुकने से बचाने और आगे बढ़ाने के लिए मजबूत जनजागरूकता की जरूरत है।

पहले सरकारों का धन कब्रिस्तान की बाउंड्री वॉल, कब्जों और जातीय-साम्प्रदायिक तुष्टीकरण में खर्च होता थाः सीएम योगी

'डबल इंजन सरकार की नीतियों ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की तस्वीर व तकदीर, दोनों बदली हैं'

एजेंसी

सहारनपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में अब 'तुष्टीकरण' नहीं, बल्कि 'संतुष्टिकरण' की राजनीति हो रही है। पहले सरकारों का धन कब्रिस्तान की बाउंड्री वॉल, कब्जों और जातीय-साम्प्रदायिक तुष्टीकरण में खर्च होता था, लेकिन आज वही पैसा सड़क, विश्वविद्यालय, स्पोर्ट्स कॉलेज, आरसीसी ड्रेन, एक्सप्रेसवे और धार्मिक-पर्यटन स्थलों के विकास में लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सहारनपुर, जो कभी दंगों, फतवों, पलायन के कारण बदनाम था, आज विकास, कनेक्टिविटी और औद्योगिक प्रगति की नई पहचान बन चुका है। मां शाकम्भरी धाम के पुनरुद्धार से लेकर दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे, प्रस्तावित एयरपोर्ट, स्पोर्ट्स कॉलेज, स्मार्ट सिटी परियोजनाओं और इंडस्ट्रियल-लॉजिस्टिक हब तक, सहारनपुर में विकास की नई धारा बह रही है। सीएम योगी गुरुवार को

सहारनपुर में 2,131 करोड़ रुपए की 325 विकास परियोजनाओं के शिलान्यास/लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार की नीतियों ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की तस्वीर व तकदीर, दोनों बदली हैं। पहले सहारनपुर से दिल्ली पहुंचने में 6 घंटे और लखनऊ पहुंचने में 12-14 घंटे लगते थे, लेकिन अब एक्सप्रेसवे और आधुनिक कनेक्टिविटी के कारण दिल्ली मात्र ढाई घंटे और लखनऊ करीब 6 घंटे की दूरी पर रह गया है। उन्होंने कहा कि जो तत्व विकास में बाधक बनते हैं, वे जाति व तुष्टीकरण की राजनीति से समाज को बांटने का प्रयास करते हैं, लेकिन अब जनता विकास, सुरक्षा और राष्ट्रवाद के साथ खड़ी है। अच्छी सरकारें चुनी जाती हैं तो परिणाम भी अच्छे आते हैं और सहारनपुर इसका जीवंत उदाहरण बनकर उभरा है।सीएम योगी ने कहा कि सहारनपुर वही जनपद है, जहां वर्ष 2013 से 2016 तक दंगे, कर्फ्यू, पलायन और अराजकता का माहौल बना रहता था।

शिक्षा, खेल और उद्योग का कोई बड़ा केंद्र नहीं था। किसान परेशान था, नौजवान पलायन कर रहा था और व्यापारी भय में जी रहे थे। फतवों और कुसंस्कृति के कारण देवबंद बदनाम हो चुका था।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का हेलीकॉप्टर रास्ता भटका

पायलट की सूझबूझ से सुरक्षित लैंडिंग

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का हेलीकॉप्टर गुरुवार को रास्ता भटक गया। हालांकि, हेलीकॉप्टर के पायलट ने समय रहते सावधानी बरती और उसे मोड़कर जुहू स्थित पवन हंस हेलीपैड लाया गया, जहां हेलीकॉप्टर की सफलतापूर्वक लैंडिंग कराई गई। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ और उपमुख्यमंत्री शिंदे समेत हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं। यह घटना ठाणे के ग्रामीण इलाके की बताई जा रही है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुरुवार को अपने पार्टी पदाधिकारियों के परिवार के एक विवाह समारोह में शामिल होने के लिए मुंबई से मुरबाद जा रहे थे। उनका हेलीकॉप्टर दोपहर 3:30 बजे महालक्ष्मी रेस कोर्स स्थित हेलीपैड से मुरबाद के लिए रवाना हुआ। हालांकि, जैसे ही हेलीकॉप्टर ऐरोली पहुंचा, पायलट ने सामने से तूफान आते देखा। संभावित खतरे को भांपते हुए पायलट ने समय रहते

उपमुख्यमंत्री शिंदे को इसकी सूचना दी। उन्होंने आगे बढ़ने के बजाय वापस लौटने की बात भी कही। इसके बाद उन्होंने तुरंत हेलीकॉप्टर को वापस मोड़ने का फैसला किया। अगले कुछ ही मिनटों में हेलीकॉप्टर जुहू के पवन हंस हेलीपैड में सफलतापूर्वक उतर गया।

सबरीमाला केसः सुप्रीम कोर्ट बोला-हर धार्मिक प्रथा को चुनौती गलत

इससे धर्म और समाज दोनों टूट जाएंगे, अदालतों में सैकड़ों केस आएंगे

एजेंसी

मुंबई। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि अगर लोग धार्मिक प्रथाओं और धर्म के मामलों को अदालत में चुनौती देने लगेंगे, तो इससे धर्म और समाज पर असर पड़ सकता है। कोर्ट ने कहा कि इससे सैकड़ों याचिकाएं आएंगी और हर रिवाज पर सवाल उठने लगेंगे। यह टिप्पणी नौ जजों की संविधान पीठ ने की, जो अलग-अलग धर्मों में धार्मिक आजादी के दायरे और महिलाओं के साथ भेदभाव से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रही है। इसमें केरल के सबरीमाला मंदिर से जुड़ा मामला और दाऊदी बोहरा समुदाय का केस भी शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट ने दाऊदी बोहरा समुदाय से जुड़ी 40 साल पुरानी जनहित याचिका (PIL) की वैधता पर सवाल उठाए थे।

जस्टिस नागरत्ना बोलीं- इससे कोर्ट में केस बढ़ेंगे

जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि अगर हर व्यक्ति धार्मिक प्रथाओं पर सवाल उठाएगा, तो भारतीय समाज पर असर पड़ेगा, क्योंकि यहां धर्म

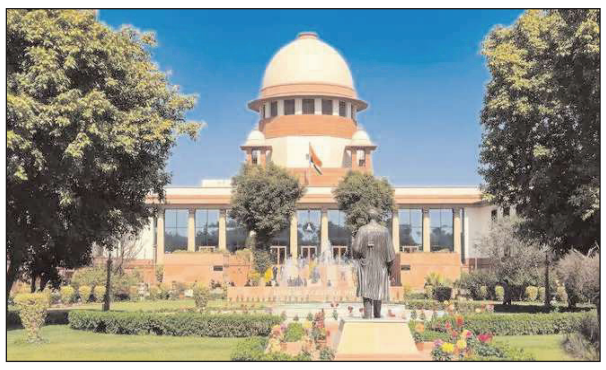

समाज से गहराई से जुड़ा है। उन्होंने कहा, हर अधिकार पर सवाल उठेंगे- मंदिर खुलने या बंद होने तक के मामले कोर्ट में आएंगे।

कोर्ट की यह टिप्पणी दाऊदी बोहरा समुदाय से जुड़ी 40 साल पुरानी याचिका पर आई। जस्टिस एमएम सुन्द्रेश ने कहा कि अगर ऐसे विवादों को लगातार अनुमति दी गई, तो हर व्यक्ति हर चीज पर सवाल उठाएगा। इससे धर्म टूट सकते हैं और अदालतों पर भी असर पड़ेगा।

धार्मिक प्रथाओं पर सवाल कहां और कैसे उठाए जाएं

सुधारवादी दाऊदी बोहरा समूह की ओर से वकील राजू रामचंद्रन ने कोर्ट में दलील दी कि अगर कोई प्रथा सामाजिक या निजी कारणों से जुड़ी है, तो उसे संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 के तहत धार्मिक सुरक्षा नहीं मिलनी चाहिए। कोई भी प्रथा अगर मौलिक अधिकारों पर नकारात्मक असर डालती है, तो उसे सीमित किया जा सकता है। इस पर जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि भारत की पहचान उसकी विविधता और सभ्यता से है, और धर्म इसमें एक स्थायी तत्व है। इसे तोड़ना सही नहीं होगा।

सबरीमाला मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई हुई

सबरीमाला मंदिर मामले पर 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू हुई थी। इस दौरान केंद्र सरकार ने सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखीं। सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है। इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

चारधाम यात्रा में अब तक 7.72 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

एजेंसी

देहरादून । उत्तराखंड में चारधाम यात्रा पिछले 19 दिन से जारी है। बड़ी संख्या में लोग श्रद्धाभाव के साथ दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। नतीजन, चारधाम में अब तक 7 लाख 72 हजार से अधिक श्रद्धालुओं में दर्शन किए हैं।

जानकारी के अनुसार, चारधाम यात्रा शुरू होने के बाद से केदारनाथ में लगभग 3 लाख 45 हजार श्रद्धालु पहुंचे हैं, जबकि बद्रीनाथ धाम में 1 लाख 85 हजार के करीब श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। वहीं, यमुनोत्री में तकरीबन 1 लाख 16 हजार श्रद्धालु पहुंचे हैं, जबकि गंगोत्री में 1 लाख 15 हजार से अधिक श्रद्धालु आए हैं। चारधाम यात्रा के लिए अभी भी श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है, लेकिन श्रद्धालुओं के लिए यात्रा चुनौतीपूर्ण भी बनी हुई है। 19 अप्रैल से शुरू हुई चारधाम यात्रा में अब तक स्वास्थ्य कारणों से 29 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है।

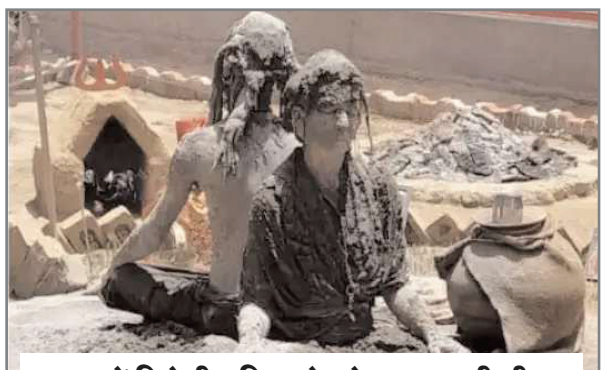

पुष्कर में विदेशी महिला ने ज्येष्ठ मास की भीषण गर्मी में कठिन साधना का लिया संकल्प

अजमेर। पुष्कर में रूस मूल की विदेशी साधिका और नाथ संप्रदाय में दीक्षित योगिनी अन्नपूर्णा नाथ ने ज्येष्ठ मास की भीषण गर्मी में कठिन अग्नि तपस्या का संकल्प लिया है। छोटी बस्ती स्थित श्मशान स्थल पर अघोरी सीताराम बाबा के आश्रम में उन्होंने नौ धधकती धूनियों के बीच 21 दिवसीय अग्नि तपस्या प्रारंभ की है। यह तपस्या 3 मई से शुरू हुई है, जो 25 मई तक चलेगी। इस दौरान योगिनी अन्नपूर्णा नाथ प्रतिदिन सवा तीन घंटे तक धधकती धूनियों के मध्य बैठकर शिव साधना और गुरु बीज मंत्र का जाप करेंगी। साधना के दौरान प्रतिदिन हवन, पूजन और आरती का आयोजन भी किया जा रहा है। तपस्या की पूर्णाहुति 25 मई को संत भंडारे के साथ होगी। योगिनी अन्नपूर्णा नाथ ने अपने गुरु बाल योगी दीपक नाथ रमते राम के सान्निध्य में इस तपस्या का आरंभ किया है।

'118 विधायक लाओ, तभी होगी शपथ'

अड़े तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र

विजय को दूसरी बार राजभवन से वापस भेजा

एजेंसी

कोलकाता । तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर सस्पेंस अभी बरकरार है। टीवीके प्रमुख विजय आज एक बार फिर राजभवन पहुंचे और राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात की। हालांकि राज्यपाल ने साफ संकेत दे दिए हैं कि केवल सबसे बड़ी पार्टी होने भर से सरकार बनाने का रास्ता आसान नहीं होगा। सूत्रों के मुताबिक, राज्यपाल अपने रुख पर कायम हैं कि विजय को पहले विधानसभा में बहुमत का स्पष्ट आंकड़ा दिखाना होगा। राजभवन का मानना है कि तमिलनाडु जैसे बड़े राज्य में अस्थिर सरकार का जोखिम नहीं लिया जा सकता, इसलिए 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए जरूरी 118 विधायकों का समर्थन साबित करना अनिवार्य होगा।

टीवीके के पास कितनी सीटें?

दरअसल, 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में टीवीके ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी का दर्जा

हासिल किया था। हालांकि विजय खुद दो सीटों से चुनाव जीते हैं और नियमों के मुताबिक उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। ऐसे में पार्टी की प्रभावी संख्या 107 रह जाएगी।

कांग्रेस ने दिया टीवीके को समर्थन

सरकार बनाने की कोशिश में टीवीके को उस समय बड़ी राहत मिली जब कांग्रेस ने डीएमके गठबंधन से अलग होकर विजय को समर्थन देने का फैसला किया। कांग्रेस के पांच विधायक टीवीके के साथ आए, लेकिन इसके बाद भी आंकड़ा केवल 112 तक पहुंच पाया। यानी बहुमत के जादुई आंकड़े 118 से अभी भी छह विधायक कम हैं। यही वजह है कि राज्यपाल ने फिलहाल शपथ ग्रहण को लेकर कोई हरी झंडी नहीं दी है।

विजय ने सरकार बनाने का दावा किया था पेश

विजय ने कांग्रेस के समर्थन पत्र के साथ सरकार बनाने का दावा पेश किया था। इसके अगले ही दिन वह फिर राजभवन पहुंचे। माना जा रहा है कि इस दौरान सरकार गठन के गणित और समर्थन जुटाने को लेकर चर्चा हुई। हालांकि राजभवन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

नोएडा एयरपोर्ट से 15 जून को पहली उड़ान, टिकट की बुकिंग शुरू

एजेंसी

नोएडा। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 15 जून को पहली फ्लाइट बेंगलुरु के लिए जाएगी। यह फ्लाइट लखनऊ से नोएडा हवाई अड्डे होकर बेंगलुरु जाएगी। इसके लिए टिकट की बुकिंग शुरू हो गई है। पहली फ्लाइट इंडिगो एयरलाइंस की होगी। अकासा और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने नोएडा एयरपोर्ट से विमान सेवा शुरू करने की तिथि अभी घोषित नहीं की है। नोएडा हवाई अड्डे को नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो से एयरपोर्ट सिक्योरिटी

प्रोग्राम अप्रूवल मिलने के बाद इंडिगो ने 15 जून से विमान सेवा शुरू करने की घोषणा की थी। गुरुवार शाम को हवाई अड्डे से पहली फ्लाइट का शेड्यूल भी घोषित कर दिया गया। इंडिगो की फ्लाइट लखनऊ से नोएडा एयरपोर्ट आएगी और यहां से बेंगलुरु जाएगी। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि यह फ्लाइट सुबह आठ बजे के करीब यहां पहुंचेगी और कुछ देर नोएडा एयरपोर्ट पर रुकने के बाद बेंगलुरु के लिए रवाना हो जाएगी। देश के अन्य शहरों के लिए फ्लाइट शेड्यूल भी देर रात तक सामने आ जाएगा।

पश्चिम बंगाल में मतदान प्रक्रिया समाप्त

आयोग ने दो विशेष पर्यवेक्षकों को पद से मुक्त किया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद चुनाव आयोग ने राज्य में नियुक्त दो विशेष पर्यवेक्षकों को उनके पद से मुक्त कर दिया है। आयोग ने राज्य में चुनाव की निगरानी के लिए विशेष पर्यवेक्षक के रूप में सुब्रत गुप्ता और विशेष पुलिस पर्यवेक्षक के रूप में एनके मिश्रा को नियुक्त किया था। गुरुवार को आयोग ने दोनों को पत्र भेजकर उनकी जिम्मेदारी समाप्त करने की जानकारी दी।

आयोग ने अपने पत्र में कहा कि राज्य में चुनावी प्रक्रिया अब पूरी तरह समाप्त हो चुकी है, इसलिए विशेष पर्यवेक्षक के पद से उन्हें मुक्त किया जा रहा है। आयोग ने बताया कि दोनों अधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई थी और उन्होंने अपने कर्तव्यों का सही ढंग से पालन किया। गौरतलब है कि, पिछले वर्ष अक्टूबर में राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया शुरू होने के समय से ही सुब्रत गुप्ता को विशेष रोल पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था। बाद में उनके काम को देखते हुए उन्हें बंगाल विधानसभा चुनाव का विशेष पर्यवेक्षक बनाया गया। वहीं, विधानसभा चुनाव के लिए सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी एनके मिश्रा को विशेष पुलिस पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। अब राज्य में मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोनों को इस जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया है।

टोंक में 'अतिक्रमण' पर आर-पार: एक तरफ उजड़ते रोजगार का दर्द, दूसरी तरफ प्रशासन की 'सड़क चौड़ीकरण' की दलील

बस स्टैंड से डिपो तक थड़ियां हटाने के विरोध में सड़कों पर उतरे लोग, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन; नगर परिषद आयुक्त ने कहा- 'अस्थाई जगह पर कर लिया था पक्का निर्माण'

स्वर्ण खबर डेस्क

टोंक। शहर के बस स्टैंड से डिपो क्षेत्र तक नगर परिषद द्वारा थड़ियां और केबिन हटाए जाने की कार्रवाई अब एक बड़े विवाद का रूप ले चुकी है। गुरुवार को इस कार्रवाई के खिलाफ प्रभावित दुकानदारों और स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने घंटाघर से लेकर कलेक्ट्रेट तक एक विशाल रैली निकाली और नगर परिषद के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस पूरे मामले में जहाँ एक ओर लोग अपनी आजीविका छिनने का दर्द बयां कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर प्रशासन इसे शहर के विकास और यातायात सुगमता के लिए उठाया गया जरूरी कदम बता रहा है।

प्रदर्शनकारियों का पक्ष: बिना नोटिस छीनी रोजी-रोटी, अमीरों पर मेहरबानी क्यों?

कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि नगर परिषद ने उनके साथ धोखा किया है। सोसायटी के प्रदेश सचिव एडवोकेट सरताज अहमद ने बताया कि:

खुद दी थी जगह: साल 2021 में नगर परिषद ने ही सड़क किनारे थड़ियां लगाने के लिए जगह आवंटित की थी और बकायदा इसके कार्ड भी जारी किए गए थे।

अचानक चला बुलडोजर: इसके बावजूद 30 अप्रैल को बिना कोई पूर्व नोटिस दिए जेसीबी से थड़ियों को तहस-नहस कर दिया गया। लोगों को अपना सामान तक समेटने का मौका नहीं मिला, जिससे उन्हें हजारों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ।

कार्रवाई में भेदभाव: प्रदर्शनकारियों का सबसे बड़ा आरोप यह है कि प्रशासन की कार्रवाई चयनात्मक है। शहर के मुख्य मार्गों पर जहाँ रसूखदारों और अमीरों ने बड़े अतिक्रमण कर रखे हैं, वहाँ कोई कार्रवाई नहीं होती, लेकिन गरीबों की रोजी-रोटी पर तुरंत बुलडोजर चला दिया गया।

उन्होंने मांग की है कि बेघर हुए दुकानदारों को पुनः स्थान दिया जाए और इस एकतरफा कार्रवाई के जिम्मेदारों पर निष्पक्ष जांच कर एक्शन लिया जाए।

प्रशासन का पक्ष: अस्थाई थड़ी की जगह कर लिया था पक्का निर्माण

नगर परिषद ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कार्रवाई को नियमानुसार बताया है। नगर परिषद के आयुक्त धर्मपाल जाट ने स्पष्ट किया कि कार्रवाई अवैध कब्जों के खिलाफ की गई है, न कि जायज थड़ियों के खिलाफ। आयुक्त ने अपना पक्ष रखते हुए कहा:

'थड़ियां लगाने के लिए जो जगह चिह्नित की गई थी, लोगों ने उस जगह का दुरुपयोग करते हुए वहाँ पक्का निर्माण कर लिया और टीनशेड लगा लिए थे। इससे यातायात में भारी परेशानी हो रही थी। यह अवैध अतिक्रमण हटाकर सड़क को चौड़ा किया गया है। फिर भी, यदि किसी के साथ नियम विरुद्ध कार्रवाई हुई है, तो उसकी निष्पक्ष जांच करवाई जाएगी।

कलेक्टर के आश्वासन के बाद माने लोग

रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने अपनी व्यथा और मांगें जिला कलेक्टर के समक्ष रखीं। कलेक्टर ने दोनों पक्षों की बात को ध्यान में रखते हुए पूरे मामले को सुना और लोगों की समस्याएं दूर करने व उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। कलेक्टर के इस आश्वासन के बाद फिलहाल प्रदर्शन समाप्त कर दिया गया है, हालांकि अपनी आजीविका खो चुके लोगों के दिलों में प्रशासन के प्रति अभी भी भारी नाराजगी बनी हुई है।

मेडिकल लाइसेंस के नाम पर घूस लेते संविदा कर्मी रंगे हाथों गिरफ्तार

CMHO कार्यालय में 13 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा गया कंप्यूटर ऑपरेटर सोनू पंवार

स्वर्ण खबर डेस्क

टोंक। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने गुरुवार शाम मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय परिसर में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। टीम ने औषधि नियंत्रण कार्यालय में तैनात संविदा कंप्यूटर ऑपरेटर सोनू पंवार को 13 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों दबोच लिया।

मेडिकल स्टोर के लिए मांगी थी घूस:

ACB के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झाबरमल ने बताया कि परिवादी ने मेडिकल स्टोर के लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। आरोप है कि इसके एवज में आरोपी सोनू ने 15 हजार रुपये मांगे थे, लेकिन सौदा 13 हजार में तय हुआ। शिकायत का सत्यापन होने के बाद ACB ने ट्रैप की योजना बनाई।

ACB को देख उड़े होश: योजना के तहत गुरुवार को परिवादी ने केमिकल लगे नोट सोनू को दिए। आरोपी ने पैसे गिनकर अपनी पैंट की जेब में रख लिए। परिवादी के इशारे पर जैसे ही ACB टीम ने दफ्तर में दबिश दी, आरोपी के होश उड़ गए। बचने की नाकाम कोशिश करते हुए उसने पैसे निकालकर फर्श पर फेंक दिए। टीम ने उसे तुरंत दबोच लिया और पैसे बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आगे की पूछताछ जारी है।

खेड़ेश्वर महादेव मंदिर मार्ग पर आवागमन प्रभावित, स्कूली बच्चे और श्रद्धालु रोज जोखिम उठाने को मजबूर

दो महीने से टूटी नाले की पट्टी बनी खतरा

स्वर्ण खबर डेस्क

घाड़ (देवली)। घाड़ कस्बे के मुख्य बाजार को दूनी रोड से जोड़ने वाले खेड़ेश्वर महादेव मंदिर मार्ग पर स्थित नाले की पट्टी पिछले दो महीने से टूटी पड़ी है। प्रशासन की अनदेखी के चलते यह मार्ग अब हादसों का कारण बनता जा रहा है। राहगीरों, स्कूली बच्चों और मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को रोजाना भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। ग्रामीणों के अनुसार करीब दो महीने पहले रात के समय बजरी से भरे एक अनियंत्रित ट्रैक्टर ने नाले की पट्टी तोड़ दी थी। घटना के बाद से आज तक मरम्मत नहीं करवाई गई। स्थानीय निवासी मोहन और फोरु सैनी ने बताया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। यह मार्ग कस्बे के सरकारी स्कूल और दो प्राइमरी स्कूलों को जोड़ता है। रोजाना छोटे बच्चे इसी रास्ते से गुजरते हैं। टूटी पट्टी के कारण कई बच्चे गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं। वहीं प्राचीन श्री खेड़ेश्वर महादेव मंदिर और तेजाजी महाराज मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को भी अंधेरे में जान जोखिम में डालकर निकलना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि मार्ग से केवल दोपहिया वाहन ही मुश्किल से निकल पा रहे हैं, जबकि चार पहिया वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो चुकी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल नाले की मरम्मत करवाने की मांग की है। लोगों ने चेतावनी दी कि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

महिला कांग्रेस की कमान अब मौसमी मीणा के हाथ

स्वर्ण खबर डेस्क

टोंक। जिला महिला कांग्रेस की कमान अब मौसमी मीणा को सौंप दी गई है। महिला कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष सारिका सिंह ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा के निर्देश पर उनकी नियुक्ति जिलाध्यक्ष पद पर की। नियुक्ति की घोषणा होते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल बन गया।

समर्थकों ने मौसमी मीणा को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में महिला कांग्रेस संगठन को नई मजबूती और ऊर्जा मिलेगी। साथ ही महिलाओं की आवाज़ को और प्रभावी पहचान दिलाने में भी संगठन सफल रहेगा। मौसमी मीणा की नियुक्ति को कांग्रेस संगठन में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

स्वर्ण खबर
जनहित में सूचना
अपील: अपने क्षेत्र की समस्याओं को "स्वर्ण खबर" में लगवाएं!
1 कटी-फटी सड़कें
2 पीने के पानी की समस्या
3 जलभराव और सीवरेज
4 कचरा और गंदगी
'आपकी हर समस्या अब बनेगी खबर.'
हमे बताएं : समस्या की जानकारी / फोटो / वीडियो हमें भेजें.
समस्या की जानकारी/ फोटो / वीडियो हमें भेजें.
9462549799
राजाराम गौतम | प्रधान संपादक (स्वर्ण खबर)
"लोकल से ग्लोबल तक"
स्वर्ण खबर

ग्राम विकास रथ यात्रा पहुंची पंचायतों में, ग्रामीणों को दी सरकारी योजनाओं की जानकारी

स्वर्ण खबर डेस्क

पीपलू । क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में गुरुवार को ग्राम विकास रथ यात्रा पहुंची। यात्रा के तहत जौला, सोहेला, हाडीकला और डारडातुर्की ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां ग्रामीणों को केंद्र एवं राजस्थान सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। रथ यात्रा के माध्यम से ग्रामीणों को मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, तारबंदी योजना,लाडो योजना, जैविक खेती प्रोत्साहन योजना, हर घर नल जल योजना, मंगला पशु बीमा योजना, देवनारायण स्कूटी योजना, कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना, आयुष्मान आरोग्य योजना, पालनहार योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना तथा आयुष्मान स्वास्थ्य बीमा योजना सहित कई योजनाओं की जानकारी देकर लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। सोहेला ग्राम पंचायत में रथ के आगमन पर ग्राम पंचायत प्रशासक शांति देवी,ग्राम विकास अधिकारी विकास मीणा एवं पूर्व सरपंच रामदास बैरवा ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर स्वागत किया। अधिकारियों ने बताया कि रथ यात्रा का उद्देश्य विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाकर आमजन को जागरूक करना है। रथ में लगी एलईडी स्क्रीन के माध्यम से योजनाओं से संबंधित चलचित्र भी प्रदर्शित किए गए। साथ ही एक सुझाव पेटिका भी रखी गई, जिसमें

ग्रामीण अपनी समस्याएं और सुझाव लिखकर डाल सके, ताकि संबंधित विभागों में पारदर्शिता और सुधार लाया जा सके। कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी गणराज बडगोती ने विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए ग्रामीणों से सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। इस अवसर पर रथ यात्रा प्रभारी रामनिवास गुर्जर, पीपलू विकास अधिकारी सुनील वर्मा, भाजपा गहलोद मंडल अध्यक्ष देवशंकर गुर्जर, विधायक प्रतिनिधि नवरतन शर्मा, नन्दलाल गुर्जर, पूरण मीणा, सूरज मल मीणा प्रदेश उपाध्यक्ष एआईसीसी ह्यूमन राइट्स राजस्थान, पूर्व सीआर रफीक मंसूरी, आजीविका मिशन प्रभारी रिकु राजपूत, पटवारी खेमराज वर्मा, गिरदावर योगेन्द्र भारद्वाज, पशु चिकित्सक मनोज नागर, कृषि पर्यवेक्षक बुद्धि प्रकाश बैरवा, चिकित्सा विभाग आला अधिकारी, स्कूल प्रशासन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण पुरुष एवं महिलाएं उपस्थित रहे।

सरकार का उद्देश्य चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी एंव लाभ हर गांव हर नागरिक तक पहुंचे-विधायक राजेंद्र गुर्जर

विधायक ने अधिकारियों के साथ की ग्रामीणों की जनसुनवाई

स्वर्ण खबर डेस्क

नगरफोर्ट। राजस्थान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को ग्रामीण अंचलों तक प्रभावी रूप से पहुंचाने के उद्देश्य से संचालित ग्राम रथ यात्रा अभियान बुधवार को देर शाम नगरफोर्ट ग्राम पंचायत मुख्यालय पर पहुंचा। इस दौरान देवली उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर ने उपखंड अधिकारी एवं विकास अधिकारी की उपस्थिति में ग्रामीण की जनसुनवाई करते हुए तत्काल प्रभाव से लोगों की समस्याओं का निस्तारण करने के अधिकारियों को आदेश दिये।

ग्राम रथ बुधवार को ग्राम पंचायत नगरफोर्ट, बिलासपुर व गुरुवार को गुराई ग्राम पंचायत पर पहुंचा जहां उपस्थित लोगों ने उसका स्वागत किया। इस दौरान अधिकारियों ने उपस्थित ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के दौरान ग्रामीणों को राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं, जनहितकारी कार्यक्रमों और लाभकारी सेवाओं के बारे में सरल व प्रभावी तरीके से जानकारी दी गई। अभियान को रोचक बनाने के लिए रथ के साथ चल रहे कला जत्थों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतियां दी गईं। गीत, नुक्कड़ नाटक और संवाद के माध्यम से सरकारी संदेशों को ग्रामीणों तक पहुंचाया गया। इस मनोरंजक और शिक्षाप्रद शैली के कारण ग्रामीणों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और जानकारियों को सहजता से समझा। ग्राम पंचायत नगरफोर्ट में ग्राम रथ के दौरान आयोजित कार्यक्रम में विधायक राजेंद्र गुर्जर ने कहां कि सरकार का उद्देश्य जनता के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी एंव लाभ हर गांव हर नागरिक तक पहुंचे। इस उद्देश्य यह ग्राम रथ अभियान चलाया गया है। इस दौरान ग्रामीणों ने विधायक को जन समस्याओं से रूबरू कराया और ज्ञापन दिये, जिस पर विधायक ने अधिकारियों को लोगों की समस्याओं का तत्काल प्रभाव से निराकरण करने के आदेश दिए।इस अवसर पर उपखंड अधिकारी देवली रूबी अंसार, विकास अधिकारी देवली रेणु इन इंकिया, तहसीलदार नगरफोर्ट रामधन मीणा, नायब तहसीलदार धुवा कला सहित अधिकारी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद थें। इसके बाद गुरुवार को गुराई ग्राम पंचायत पर ग्राम रथ पहुंचा जहां पर पहले से ही मौजूद ग्रामीणों ने उसके पहुंचने पर स्वागत किया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान अतिरिक्त विकास अधिकारी रामरेश मीणा ने ग्राम रथ का नेतृत्व किया। उन्होंने बताया कि ग्राम रथ अभियान को ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। इससे न केवल लोगों में सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। कार्यक्रम के दौरान कृषि अधिकारी भूपेंद्र सिंह ग्राम विकास अधिकारी त्रिलोक चन्द शर्मा कृषि पर्यवेक्षक विक्रम पालीवाल व शीला धाकड़ पशुधन निरीक्षक परशुराम मीणा एनम आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहित कहीं ग्रामीण व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

धन्ना भगत जी महाराज की पौराणिक नाडी पर धर्मशाला लोकार्पण, केंद्रीय व कैबिनेट मंत्री होंगे शामिल

स्वर्ण खबर डेस्क

टोंक। बुधवार को राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय गुलजार बाग में सत्र 2026- 27 की सचिव/ संयुक्त सचिव/ प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर बैठक का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जिला सचिव एवं सी. ओ. स्काउट गाइड आचू मीणा ने राष्ट्रपति अवार्ड एवं जिले की उपलब्धियों की जानकारी प्रदान की। बैठक की अध्यक्षता कर रहे अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी एवं सहायक जिला कमीश्नर स्थानीय संघ के प्रभारी डॉ. हेमन्त कुमार दीक्षित ने भीषण गर्मी में परिंडा अभियान चलाने का संदेश देते हुए कहा कि घर- घर परिंडा लगाकर पक्षियों को राहत प्रदान की जावे। बैठक में स्थानीय संघ के सचिव चंद्रप्रकाश कुर्मी, स्थानीय संघ निवाई के सचिव विष्णुकांत शर्मा, स्थानीय संघ टोडारायसिंह सचिव गजानंद वर्मा, लीडर ट्रेनर रघुवीर सिंह, ट्रेनिंग काउंसलर दुर्गालाल गुर्जर, ट्रेनिंग काउंसलर सत्यनारायण मीणा, मुरली मनोहर शर्मा आदि ब्लॉक सेकेट्री/ प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर/ ट्रेनिंग काउंसल- 27 की कार्य योजना और राष्ट्रपति स्काउट गाइड रोवर रेंजर के आवेदन

भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षियों के लिए घर-घर दाने- पानी की व्यवस्था करेंगे स्काउट

स्वर्ण खबर डेस्क

टोंक। बुधवार को राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय गुलजार बाग में सत्र 2026- 27 की सचिव/ संयुक्त सचिव/ प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर बैठक का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जिला सचिव एवं सी. ओ. स्काउट गाइड आचू मीणा ने राष्ट्रपति अवार्ड एवं जिले की उपलब्धियों की जानकारी प्रदान की। बैठक की अध्यक्षता कर रहे अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी एवं सहायक जिला कमीश्नर स्थानीय संघ के प्रभारी डॉ. हेमन्त कुमार दीक्षित ने भीषण गर्मी में परिंडा अभियान चलाने का संदेश देते हुए कहा कि घर- घर परिंडा लगाकर पक्षियों को राहत प्रदान की जावे। बैठक में स्थानीय संघ के सचिव चंद्रप्रकाश कुर्मी, स्थानीय संघ निवाई के सचिव विष्णुकांत शर्मा, स्थानीय संघ टोडारायसिंह सचिव गजानंद वर्मा, लीडर ट्रेनर रघुवीर सिंह, ट्रेनिंग काउंसलर दुर्गालाल गुर्जर, ट्रेनिंग काउंसलर सत्यनारायण मीणा, मुरली मनोहर शर्मा आदि ब्लॉक सेकेट्री/ प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर/ ट्रेनिंग काउंसलर स्काउटर उपस्थित रहे। मीटिंग एजेंडेवार सुचारू रूप से संचालित की गई। जिसका मुख्य उद्देश्य सत्र 2025- 26 की उपलब्धियां की चर्चा एवं सत्र 2026- 27 की कार्य योजना और राष्ट्रपति स्काउट गाइड रोवर रेंजर के आवेदन को लेकर ब्लॉक स्तर पर कार्यवाही की जाने की आम सहमति हुई।बैठक के अंत में अध्यक्षीय उद्बोधन के साथ सभा की समाप्ति राष्ट्रगान के साथ हुई।

टोंक पुलिस का बालश्रम के खिलाफ विशेष अभियान, एक बालक को राया रेस्क्यू

स्वर्ण खबर डेस्क

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक टोंक के निर्देशन में मानव तस्करी विरोधी यूनिट प्रभारी देवेंद्र सिंह के नेतृत्व में बालश्रम के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत श्रम विभाग के सहयोग से विभिन्न दुकानों और प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई करते हुए बालश्रम नहीं करवाने के लिए जागरूक किया गया।

अभियान के दौरान एक नाबालिग बालक को बालश्रम से मुक्त करवाकर सुरक्षित संरक्षण में भेजा गया। साथ ही दुकानदारों एवं व्यापारियों को नाबालिग बच्चों से मजदूरी नहीं करवाने की शपथ दिलाई गई। पुलिस टीम ने लोगों को बताया कि बालश्रम कानूनन अपराध है और बच्चों को शिक्षा व सुरक्षित वातावरण देना समाज की जिम्मेदारी है।

बाल कल्याण समिति के माध्यम से बालक के पुनर्वास एवं शिक्षा की प्रक्रिया शुरू करवाई गई। मानव तस्करी विरोधी यूनिट प्रभारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि जिले में बालश्रम के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कांस्टेबल पर मारपीट के आरोप को लेकर एसपी को दिया ज्ञापन

स्वर्ण खबर डेस्क

टोंक। पीपलू क्षेत्र के ग्राम नाथडी निवासी भागचंद मीणा पुत्र कैलाश चन्द मीणा ने गुरुवार को टोंक जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीणा को ज्ञापन सौंपकर पुलिस थाना पचेवर में कार्यरत कांस्टेबल राकेश भास्कर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में भागचंद मीणा ने आरोप लगाया कि वह अपनी बहिन के ससुराल ग्राम पासरोटिया में खाद डालकर ट्रैक्टर-ट्रॉली से वापस लौट रहा था। इसी दौरान ग्राम मुमाणा नहर के खुर्द के पास एक पुलिसकर्मी ने उसे रोककर रुपयों की मांग की। आरोप है कि रुपए देने से मना करने पर उसके साथ गाली-गलौज एवं मारपीट की गई, जिससे उसके हाथ में चोट आई। पीड़ित ने ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया है कि घटना के दौरान उसने अपने परिजनों को फोन कर मौके पर बुलाया। परिजनों के पहुंचने से पहले संबंधित व्यक्ति वहां से चला गया। मामले में पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से निष्पक्ष जांच करवाकर उचित कार्रवाई की मांग की है।

स्वर्ण खबर

टोंक, (शुक्रवार)
08 मई 2026

जयपुर में रवीना टंडन ने किया पर्यावरण संरक्षण का आह्वान

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। श्री कल्पतरु संस्था के 31वें वार्षिक समारोह के तहत वृक्ष मित्र सम्मान 2026 का आयोजन हुआ, जिसमें उन लोगों को सम्मानित किया गया जो धरती को हरा-भरा रखने और प्रकृति के संरक्षण के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। इस समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पारंपरिक अंदाज में नजर आईं रवीना टंडन ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों का उत्साह बढ़ाया और प्रकृति बचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पेड़ और प्रकृति मानव जीवन के लिए बेहद जरूरी हैं, और इनके बिना भविष्य की कल्पना नहीं की जा सकती। अभिनेत्री रवीना ने लोगों से अपील कर कहा कि पर्यावरण संरक्षण का संदेश हर घर तक पहुंचना चाहिए। उनके मुताबिक, विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की अनदेखी करना आने वाली पीढ़ियों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। रवीना ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ धरती देना हम सभी की जिम्मेदारी है, और विकास तथा पर्यावरण संरक्षण को साथ लेकर चलना ही समय की सबसे बड़ी जरूरत है। कार्यक्रम में विशेष रूप से उन जमीनी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया, जिनके अथक प्रयासों से वृक्षारोपण और पेड़ों के संरक्षण का कार्य लगातार आगे बढ़ रहा है।

आंधी-तूफान में दो सड़क हादसों में दो लोगों की मौत, कई घायल

करनाल(एजेंसी)। करनाल में रात को आई आंधी तूफान में दो जगह अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की जान चली गई। रात को आई आंधी तूफान में दो अलग अलग जगहों पर सड़क हादसे हुए। पहला हादसा घरौंडा के गुढ़ा गांव के समीप हुआ जहां एक बाइक पर चार युवक सवार थे और उनकी अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई और बिहार के रहने वाले मोहित (24) की जान चली गई तीन युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। वहीं दूसरा हादसा जीटी रोड पर तरावड़ी के समीप हुआ। जहां एक कैंटर सड़क पर खड़े एक ट्रक से टकरा गया, कैंटर चालक कैंटर के केबिन में फंस गया और उसकी मौत हो गई, फिलहाल कैंटर चालक कहां का है इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस जांच कर रही है।

कच्छ के क्रीक इलाके में मिली लावारिस पाकिस्तानी नाव, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के कच्छ जिले के संवेदनशील तटीय क्षेत्र में बुधवार को एक संदिग्ध पाकिस्तानी नाव लावारिस हालत में मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सूत्रों के अनुसार यह नाव भारत-पाकिस्तान समुद्री सीमा के पास स्थित क्रीक इलाके में पाई गई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और जांच एजेंसियां मामले की गहन पड़ताल में जुट गई हैं। जानकारी के मुताबिक बीएसएफ के जवान नियमित गश्त पर थे, तभी उन्हें क्रीक क्षेत्र में संदिग्ध अवस्था में एक नाव दिखाई दी। जवानों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर नाव की तलाशी ली। प्रारंभिक जांच में नाव से मछली पकड़ने से जुड़ा सामान बरामद हुआ है। हालांकि अब तक किसी प्रकार की संदिग्ध या विस्फोटक सामग्री मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। सुरक्षा एजेंसियां इस बात की जांच कर रही हैं कि नाव किस परिस्थिति में भारतीय सीमा तक पहुंची और इसके पीछे कोई साजिश तो नहीं है। नाव को कब्जे में लेकर तकनीकी और फॉरेंसिक जांच भी शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का मानना है कि समुद्री सीमा के पास स्थित क्रीक क्षेत्र अक्सर घुसपैठ और अवैध गतिविधियों के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है। बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार भारतीय मछुआरों को अरब सागर के क्रीक इलाके में जाने की अनुमति नहीं है, लेकिन कई बार पाकिस्तानी मछुआरे मछली पकड़ने के लिए भारतीय सीमा में घुस आते हैं। ऐसे मामलों में सुरक्षा बलों की गश्ती टीम को देखकर पाकिस्तानी मछुआरे अपनी नाव छोड़कर वापस पाकिस्तान की ओर भाग जाते हैं। घटना के बाद समुद्री और तटीय क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है। बीएसएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियां आसपास के इलाकों में लगातार तलाशी अभियान चला रही हैं ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके।

1200 करोड़ की कोडीन तस्करी मामले में 6 के खिलाफ चार्जशीट

लखनऊ (एजेंसी)। एसटीएफ ने बहुचर्चित कोडीन कफ सिरप तस्करी सिंडिकेट मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए, जीआर ट्रेडिंग के मालिक विभोर राणा सहित छह आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। यह गिरोह 2019 से सक्रिय था और इसने 1200 करोड़ रुपए से अधिक के सिरप की तस्करी को अंजाम दिया। चार्जशीट में विभोर राणा के अतिरिक्त सचिन कुमार (मारुति मेडिकोज), अभिषेक शर्मा (एबी फार्मास्यूटिकल), विशाल सिंह, बिट्टू कुमार और शुभम शर्मा के नाम शामिल हैं। जांच में खुलासा हुआ है कि गिरोह ने 400 करोड़ रुपए के सिरप खरीदकर उन्हें 1200 करोड़ रुपए से अधिक में बेचा। तस्करी का यह जाल नेपाल और बांग्लादेश तक फैला था, जिसके बैंक खातों और मार्गों की विस्तृत जानकारी मिली है। मामले में बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह सहित तीन अन्य पहले से जेल में हैं। एसटीएफ जल्द ही पूरक चार्जशीट दाखिल करेगी। विदेश में छिपे शुभम जायसवाल समेत तीन के पासपोर्ट निरस्त कर लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है और उन्हें वापस लाने की कवायद जारी है।

फतेहपुर गैंगरेप मामले में मुख्य आरोपी भूत पुलिस मुठभेड़ में घायल

फतेहपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में मंगेतर के साथ घूमने गई युवती से गैंगरेप के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी बबलू सिंह उर्फ भूत को पुलिस ने एक मुठभेड़ में घायल कर दिया है। उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था और वह पिछले 12 दिनों से पुलिस की गिरफ्त से बाहर था। मुठभेड़ में आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी है। पुलिस को सूचना मिली थी कि खागा गैंगरेप का मुख्य आरोपी बबलू सिंह उर्फ भूत खागा क्षेत्र में छिपा हुआ है। घेराबंदी के दौरान आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में हुई जवाबी कार्रवाई में बबलू सिंह के दोनों पैरों में गोली लग गई। उसे घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक तमंचा, कारतूस और 1600 रुपये नकद बरामद किए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि आरोपी का लंबा आपराधिक इतिहास है। दरअसल, 24 अप्रैल को खागा क्षेत्र में ससुर खदेरी नदी के पास एक युवती से उसके मंगेतर के सामने गैंगरेप किया गया था।

जनगणना-2027 का शुभारंभ: सीएम योगी बोले, यह समग्र और समावेशी विकास का आधार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में जनगणना-2027 के प्रथम चरण का औपचारिक शुभारंभ किया। हमारी जनगणना, हमारा विकास की भावना के साथ मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य का श्रीगणेश किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी ने स्पष्ट किया कि जनगणना केवल जनसंख्या की गणना भर नहीं है, बल्कि समग्र, समावेशी और सुनियोजित विकास का सशक्त आधार है।

सीएम योगी ने कहा कि आज का युग डेटा आधारित निर्णयों का है, और जनगणना से प्राप्त सटीक आंकड़े आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने जोर दिया कि यह विकास की धारा में समाज के अंतिम व्यक्ति की समान सहभागिता सुनिश्चित करने का माध्यम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में पहली बार डिजिटल जनगणना हो रही है। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना से संबंधित कार्य होने है। आमजन को 07 से 21 मई, 2026 तक स्वगणना का विकल्प उपलब्ध कराया गया है, जिसके माध्यम से नागरिक स्वयं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी जानकारी दर्ज कर सकते है। इसके उपरांत जनगणना कार्मिक घर-घर जाकर सूचीकरण का कार्य करने वाले है। द्वितीय चरण में प्रत्येक व्यक्ति की गणना की जाएगी। इस बार जनगणना में जातीय गणना को भी सम्मिलित किया गया है, साथ ही पहली बार वन ग्रामों को भी जनगणना प्रक्रिया में शामिल किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि डिजिटल तकनीक के उपयोग से जनगणना प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और त्वरित बनाया गया है। इसके लिए एक विशेष जनगणना पोर्टल तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से ग्राम एवं वार्ड स्तर तक कार्यों की सतत निगरानी सुनिश्चित की जा सकेगी। उत्तर प्रदेश की वर्तमान अनुमानित जनसंख्या करीब 25 करोड़ 70 लाख है। यह व्यापक कार्य प्रदेश के 18 मंडलों, 75 जनपदों सहित 1 लाख 4 हजार राजस्व ग्रामों में संपादित किया जाएगा। इस सफल संचालन हेतु लगभग 5.47 लाख कार्मिकों की तैनाती की जा रही है, जिनमें 4.50 लाख प्रगणक, 85 हजार सुपरवाइजर तथा 12 हजार राज्य एवं जनपद स्तरीय अधिकारी शामिल हैं। लगभग 5.35 लाख कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

दिल्ली मंडल में चेन पुलिंग पर सख्त कार्रवाई: 1483 लोग गिरफ्तार, यात्रियों को चेतावनी

नई दिल्ली(एजेंसी)। उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल ने ट्रेन में अलार्म चेन पुलिंग (एसीपी) के दुरुपयोग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू की है। इस साल 2026 के शुरुआती चार महीनों में ही 1483 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि पिछले वर्ष 2025 में आंकड़ा 5180 था। रेलवे ने चेतावनी दी है कि अनावश्यक रूप से चेन खींचने पर रेलवे अधिनियम की धारा 141 के तहत एक साल तक की जेल, 1000 रुपये का जुर्माना या दोनों सजाएं हो सकती हैं। रेलवे के अनुसार, अलार्म चेन की सुविधा केवल आग लगने, मेडिकल इमरजेंसी, आपराधिक घटना या चढ़ते-उतरते समय हुए गंभीर हादसों जैसी वास्तविक आपात स्थितियों के लिए है। हालांकि, कई यात्री अक्सर अपनी ट्रेन छूटने या बीच रास्ते में उतरने जैसी सामान्य वजहों से इसका दुरुपयोग करते हैं। इससे न केवल संबंधित ट्रेन लेट होती है, बल्कि उसके पीछे चलने वाली अन्य एक्सप्रेस और उपनगरीय ट्रेनों का पूरा शेड्यूल भी बिगड़ता है, जिससे हजारों यात्रियों को असुविधा होती है। दिल्ली रेल मंडल ने उन मार्गों और स्टेशनों की पहचान की है जहाँ यह समस्या सबसे अधिक है। आंकड़ों के अनुसार, गाजियाबाद, गुरुग्राम, नई दिल्ली, पानीपत और रोहतक जैसे स्टेशन, और दिल्ली-मुजफ्फरनगर तथा नई दिल्ली-कुरुक्षेत्र रेल सेक्शन मामले में सर्वाधिक प्रभावित हैं। रेलवे यात्रियों से अपील करता है कि किसी भी समस्या के लिए चेन खींचने के बजाय रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर कॉल करें या ऑन-ड्यूटी टीटीई से संपर्क करें।ट्रेन की चेन खींचने पर ब्रेक पाइप में हवा का दबाव कम हो जाता है, जिससे लोको पायलट को तीन बार हॉर्न बजाकर ट्रेन रोकनी पड़ती है। ट्रेनों में लगे इमरजेंसी फ्लैशर या गार्ड की जांच से तुरंत पता चल जाता है कि चेन कहाँ से खींची गई है, और रेल पुलिस बिना वजह चेन पुलिंग करने वालों को मौके पर ही पकड़ लेती है। रेलवे ने सभी यात्रियों से जिम्मेदार नागरिक बनने और इस महत्वपूर्ण सुविधा का केवल वास्तविक आपातकाल में ही उपयोग करने का आग्रह किया है।

आय छिपाने का मामला: हाईकोर्ट में थलापति विजय के खिलाफ याचिका दायर

-एफआईआर दर्ज करने की मांग

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में आए बड़े बदलाव के बीच सुपरस्टार थलापति विजय और उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के लिए नई कानूनी चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। एक ओर जहां विजय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की ओर कदम बढ़ा रहे हैं और हाल ही में उन्होंने राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया है, वहीं दूसरी ओर मद्रास हाईकोर्ट में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर एक रिट याचिका दायर की गई है।

यह याचिका चेन्नई निवासी एम. राजकुमार द्वारा दाखिल की गई है, जिसमें अभिनेता विजय पर साल 2015 के दौरान अपनी वास्तविक आय और वित्तीय लेन-देन छिपाने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। यह विवाद मुख्य रूप से उनकी फिल्म पुली की रिलीज के समय का है। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि आयकर विभाग विजय के खिलाफ आधिकारिक अभियोजन शुरू करे और कानून प्रवर्तन एजेंसियां इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करें। साथ ही, यह भी अनुरोध किया गया है कि आयकर विभाग जब्त की गई सामग्रियों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सौंपे ताकि मनी लॉन्ड्रिंग के संभावित पहलुओं की जांच की जा सके। मद्रास हाईकोर्ट की रजिस्ट्री ने बुधवार को इस रिट याचिका को नंबर दे दिया है और जल्द ही इस पर सुनवाई होने की संभावना है। इससे पहले, मुख्य न्यायाधीश सुष्रुत अरविंद धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति जी. अरुल मुरुगन की खंडपीठ ने 8 अप्रैल को रजिस्ट्री को इस याचिका को स्वीकार करने के निर्देश दिए थे। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि सत्ता संभालने की तैयारियों के बीच विजय के खिलाफ इन पुराने मामलों का फिर से उभरना उनके भविष्य के समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। फिलहाल, सभी की निगाहें हाईकोर्ट के अगले रुख पर टिकी हैं। मामले की जड़ें 30 सितंबर 2015 को आयकर विभाग द्वारा विजय के आवास और कार्यालयों पर की गई छापेमारी से जुड़ी हैं। विभाग को तलाशी के दौरान ऐसे दस्तावेज मिले थे जिनसे संकेत मिला कि पुली के निर्माताओं ने विजय को चेक के माध्यम से दी गई फीस के अलावा 4.93 करोड़ रुपये नकद दिए थे। उस समय मेकर्स ने केवल चेक की राशि पर टीडीएस जमा किया था। पूछताछ के दौरान विजय ने कथित तौर पर 5 करोड़ रुपये नकद लेने की बात स्वीकार की थी और उस पर टैक्स देने की सहमति जताई थी। विवादों को सुलझाने के लिए विजय ने वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए 15 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय घोषित की थी। हालांकि, बाद में जब उन्होंने अपनी आय का रिटर्न दाखिल किया, तो उन्होंने फैंस क्लब के खर्चों और संपत्तियों के अवमूल्यन पर छूट की मांग की। आयकर विभाग ने इन दावों को खारिज करते हुए उन पर जुर्माना लगा दिया था।

इस्तीफा देने के बाद भी हाईकोर्ट में जज बने हुए हैं जस्टिस वर्मा, सूची में तीसरा नाम

-अब तक राष्ट्रपति मुर्मू की ओर से वर्मा के इस्तीफे पर कोई फैसला नहीं लिया गया है

प्रयागराज (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट का जज रहते हुए जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पर बड़े पैमाने पर कैश मिला था। वहीं कुछ कैश जला हुआ भी पाया गया था और इसे लेकर सवाल उठे तो उनका ट्रांसफर इलाहाबाद हाई कोर्ट कर दिया गया था। वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग की प्रक्रिया भी लाने पर विचार हुआ। इस बीच पिछले दिनों उन्होंने खुद ही जस्टिस के पद से इस्तीफा दे दिया, लेकिन वह अब भी जज बने हुए हैं। ऐसा शायद इसलिए है क्योंकि अब तक राष्ट्रपति की ओर से उनके इस्तीफे पर कोई फैसला नहीं लिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इलाहाबाद हाईकोर्ट में जजों की तैनाती इलाहाबाद और लखनऊ में है। लखनऊ खंडपीठ में 28 जजों की तैनाती है, जबकि इलाहाबाद में 79 जज हैं। हाईकोर्ट के पोर्टल पर इलाहाबाद स्थित जजों की सूची में अब भी जस्टिस यशवंत वर्मा का नाम तीसरे स्थान पर है उनसे ऊपर जस्टिस एमसी त्रिपाठी और जस्टिस अरिंदम सिन्हा का नाम है। ऐसा शायद इसीलिए है क्योंकि अब तक जस्टिस यशवंत वर्मा का इस्तीफा लंबित है और उस पर कोई फैसला नहीं हो सका है।

बता दें जस्टिस वर्मा ने 9 अप्रैल को राष्ट्रपति के नाम पत्र लिखकर इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा कि मैं नहीं चाहता कि आपके शुचितापूर्ण दफ्तर पर किसी तरह की ऐसी चीजें पहुंचे, जो गलत हों। मुझे बेहद दुख है कि ऐसी चीजों में मेरा नाम लिया गया। ऐसी स्थिति में मैं इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज के पद से इस्तीफा देता हूं। जस्टिस वर्मा ने अपने इस्तीफे में तत्काल प्रभाव वाली बात लिखी थी। नियम के मुताबिक उन्हें तत्काल ही जज की सूची से हट जाना चाहिए।

इसके अनुसार यदि कोई जज अपना इस्तीफा राष्ट्रपति के नाम लिखता है तो वह जिस तारीख से उसके लागू होने की बात करेगा, उसी दिन से वह माना जाएगा। यदि वह तत्काल प्रभाव वाली बात लिखता है तो फिर वही लागू होगी। सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की बेंच ने 15 फरवरी, 1978 को जस्टिस गोपाल चंद्र मिश्रा के केस में फैसला दिया था और बताया था कि यदि कोई जज अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को भेजता है तो फिर उसे निश्चित तारीख से माना जाएगा। बता दें जस्टिस यशवंत वर्मा के मामले में पूर्व चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की बेंच में सुनवाई भी हुई थी। उन्होंने अपने फैसले में जस्टिस यशवंत वर्मा की फाइल को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के समक्ष भेजा था और कहा था कि उन्हें हटाने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।

ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर चेताया, भारत न भूलता है, न माफ करता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई 2025 में सीमा पार आतंकी ठिकानों पर की गई ऐतिहासिक सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर को आज एक साल पूरा हो गया है। इस अवसर पर भारतीय सेना और भारतीय वायुसेना ने एक विशेष वीडियो साझा कर दुनिया और विशेष रूप से शत्रु देशों को स्पष्ट संदेश दिया है कि नया भारत अपनी सुरक्षा और अखंडता के साथ कोई समझौता नहीं करेगा। वायुसेना ने अपने आधिकारिक संदेश में बेहद सख्त लहजे का इस्तेमाल करते हुए कहा कि भारत न कुछ भूलता है और न ही किसी को माफ करता है। यह बयान आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को मजबूती से दोहराता है। जारी किए गए वीडियो की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संबोधन से होती है, जिसमें उन्होंने देश की इच्छाशक्ति को प्रकट करते हुए कहा था कि भारत आतंकियों और उनके मददगारों की पहचान करेगा, उन्हें ढूंढेगा और उनका खात्मा करेगा। यह संकल्प केवल एक बयान नहीं, बल्कि भारत की नई सैन्य कूटनीति की आधारशिला बन गया है। पिछले साल मई में भारतीय जांबाजों ने सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर सीमा पार सक्रिय आतंकी लॉन्च पैड्स और उनके ठिकानों को पूरी तरह नेस्तनाबूद कर दिया था। इस ऑपरेशन की सबसे बड़ी उपलब्धि इसकी सर्जिकल प्रिसिजन (सटीकता) थी, जिससे बिना किसी अतिरिक्त नुकसान के केवल लक्ष्यों को निशाना बनाया गया। वायुसेना ने इसे सटीक कार्रवाई और शाश्वत यादों वाला ऑपरेशन बताया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कार्रवाई ने दक्षिण एशिया के सुरक्षा समीकरणों को हमेशा के लिए बदल दिया है। सेना और वायुसेना का यह साझा संदेश उन ताकतों के लिए चेतावनी है जो सीमा पार से अस्थिरता फैलाने की कोशिश करते हैं। वीडियो के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि भारत अब केवल रक्षात्मक नहीं रहा, बल्कि प्रो-एक्टिव होकर खतरे को उसकी जड़ में खत्म करने की रणनीति पर काम कर रहा है। यह ऑपरेशन साबित करता है कि भारत के पास अब ऐसी तकनीकी और सामरिक ताकत है, जिससे वह किसी भी हिमाकत का तत्काल और करारा जवाब दे सकता है। ऑपरेशन सिंदूर की यह बरसी न केवल जवानों के साहस को नमन करती है, बल्कि यह भी याद दिलाती है कि भारत अब दुश्मन के घर में घुसकर प्रहार करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति रखता है।

बंगाल में बीजेपी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में 4,000 पुलिसकर्मी होंगे तैनात

-ग्राउंड के प्रवेश द्वारों पर डोर-फ्रेम मेटल डिटेक्टर और हैंडहेल्ड स्कैनर लगाए जाएंगे

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता स्थित ब्रिगेड परेड ग्राउंड में पश्चिम बंगाल में बीजेपी की पहली सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के लिए करीब 4,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पश्चिम बंगाल में बीजेपी की पहली सरकार का शपथग्रहण समारोह 9 मई को आयोजित किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि शनिवार को शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी के कई वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना को देखते हुए इस मैदान को प्रभावी भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के लिए करीब 30 सेक्टरों में बांटा गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारी ने बताया कि ब्रिगेड परेड ग्राउंड और आसपास के इलाकों में करीब 4,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। प्रत्येक सेक्टर की निगरानी पुलिस उपायुक्त या सहायक पुलिस आयुक्त स्तर के अधिकारी करेंगे। अधिकारी ने बताया कि जरुरत पड़ने पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की भी तैनाती की जा सकती है। कोलकाता पुलिस मुख्यालय लालबाजार में वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को एक उच्चस्तरीय बैठक कर इस कार्यक्रम की सुरक्षा रूपरेखा को अंतिम रूप दिया। समारोह में भारी भीड़ जुटने की संभावना है। प्रवेश द्वारों पर डोर-फ्रेम मेटल डिटेक्टर और हैंडहेल्ड स्कैनर लगाए जाएंगे, जबकि पूरे स्थल की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से की जाएगी।

अधिकारी ने बताया कि व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं कि मैदान के अंदर कोई प्रतिबंधित या खतरनाक वस्तु न लाई जा सके। आसपास की इमारतों की छतों से भी निगरानी की जाएगी। पुलिस ने बताया कि यातायात जाम से बचने के लिए शनिवार को इलाके में यातायात प्रतिबंध लागू किए जा सकते हैं और मार्ग परिवर्तन भी किया जा सकता है।

'दीदी आप हारी नहीं', ममता बनर्जी को हौसला देकर बोले अखिलेश यादव, बीजेपी के खिलाफ लड़ाई रहेगी जारी

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी से मुलाकात की और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद निवर्तमान मुख्यमंत्री को भावनात्मक समर्थन दिया। अखिलेश ने ममता और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी से कोलकाता स्थित टीएमसी अध्यक्ष के आवास पर मुलाकात की। एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, टीएमसी के आधिकारिक सूत्रों ने अखिलेश यादव से कहा कि दीदी, आप हारी नहीं हैं।

उन्होंने आगे बताया कि ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी से मुलाकात के दौरान, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अभिषेक से कहा, ''आप सभी ने कितनी सराहनीय लड़ाई लड़ी है।'' अखिलेश यादव ने कहा कि बंगाल में जो हुआ है, उससे लोकतंत्र को नष्ट करने का रास्ता मिल गया है। शायद ही किसी ने लोकतंत्र को इतना नुकसान पहुंचाया हो जितना भाजपा ने। वे कभी किसी महिला के उत्थान को नहीं देख सकते। यहां मतदान तो हुआ है, लेकिन लोगों ने अपनी इच्छा से ज़्यादा दबाव में आकर मतदान किया है। अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की और भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ विपक्षी एकता के प्रति अपना समर्थन दोहराया। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में टीएमसी की हार के बाद ममता बनर्जी ने इंडिया ब्लॉक को मजबूत करने का संकल्प लिया है। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 207 सीटें जीतकर दो-तिहाई से अधिक बहुमत हासिल किया और टीएमसी के 15 साल के शासन का अंत कर दिया। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी की सीटें घटकर 80 रह गईं। पश्चिम बंगाल में भाजपा की पहली सरकार का शपथग्रहण समारोह नौ मई को यहां ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा, जो दशकों तक राजनीतिक हाशिये पर रहने के बाद राज्य में भगवा खेमे के सत्ता में आने का प्रतीक होगा। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, हालांकि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, यह अब भी रहस्य बना हुआ है, लेकिन नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को इस पद के लिए सबसे आगे माना जा रहा है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य, केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार और पूर्व राज्यसभा सदस्य स्वप्न दासगुप्ता के नाम भी इस दौड़ में शामिल हैं।

पंजाब चुनाव में 10 महीने बचे हैं, अब नई जंग में पूरी तैयारी के साथ कूद पड़ो

-राघव चड्ढा एपिसोड और बंगाल चुनाव नतीजे केजरीवाल को करने लगे परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के विधायकों को याद दिलाया है कि पंजाब विधानसभा चुनाव में महज 10 महीने बचे हैं। मतलब, नई जंग में पूरी तैयारी के साथ कूद पड़ना है। बचे हुए वक्त में सारे ही चुनावी वादे पूरे करने की कोशिश है। चुनावी वादों के हिसाब से देखें तो दिल्ली में कुछ अधूर वादे रह गए थे। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले ही अरविंद केजरीवाल ने कई चुनावी वादों पर काम करना शुरू किया था। 2025 के दिल्ली चुनाव से पहले केजरीवाल ने यह भी माना था कि दिल्ली में तीन काम उनसे अधूरे रहे गए. एक- यमुना की सफाई, दो-साफ हवा और तीसरा-दिल्ली की सभी कॉलोनियों में साफ पानी पहुंचाना।

बता दें असल में राघव चड्ढा एपिसोड और पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजे, केजरीवाल को परेशान करने लगे हैं। दिल्ली की हार के दर्द से अभी पूरी तरह राहत भी नहीं मिली थी कि राघव चड्ढा ने नया दर्द दे दिया और पश्चिम बंगाल के नतीजे तो लगता है कुछ ज्यादा ही असर डाल रहे हैं। पंजाब के आप विधायकों से मुलाकात में केजरीवाल ने टीएमसी नेता ममता बनर्जी और दिल्ली चुनाव में अपनी हार को मिलता जुलता करार दिया और अब पंजाब को लेकर भी केजरीवाल को बंगाल जैसी ही आशंका सता रही है। लिहाजा आम आदमी पार्टी के विधायकों को अभी से अलर्ट मोड में डाल दिया है।

बता दें राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा सहित 7 सांसदों ने हाल ही में आम आदमी पार्टी से बगावत किया, और बीजेपी में शामिल हो गए। बाद में पंजाब के सीएम भगवंत मान ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिले और बीजेपी में शामिल होने वाले सभी सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की। बात सिर्फ राघव चड्ढा और साथियों के अरविंद केजरीवाल की बनाई लक्ष्मण रेखा लांघने की नहीं है, उसके आगे खतरे और भी हैं जो आप को भारी पड़ सकते हैं और जरूरी नहीं कि नुकसान आने वाले पंजाब चुनाव में ही नुकसान हो, पहले भी संभव है।

रिपोर्ट के मुताबिक आम आदमी पार्टी के विधायकों से बातचीत के आधार पर एक रिपोर्ट फाइल की है। बातचीत में विधायकों ने आप के अंदर पड़ी दरार और कलह के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही, विधायकों के सामने चुनौतियों और उनकी समस्याओं का भी पता चला है। ध्यान देने वाली बात यह है कि विधायकों के मुताबिक ज्यादातर समस्याएं राघव चड्ढा और संदीप पाठक के आम आदमी पार्टी छोड़ देने के बाद पैदा हुई हैं।

आम आदमी पार्टी के एक विधायक ने संवादहीनता की तरफ इशारा किया। विधायक का कहना था, हमारे पास अपनी बात रखने के लिए कोई मंच नहीं है। हमें चुप रहने को कहा जाता है। लीडरशिप को जमीन पर क्या हो रहा है, उसकी पूरी जानकारी नहीं है। कई विधायकों का कहना है कि लीडरशिप तक अपनी बात पहुंचाना मुश्किल है। लीडरशिप तक सीमित पहुंच के कारण, पार्टी वालंटियर्स में असंतोष बढ़ा है। विधायकों की शिकायत है कि पार्टी के सत्ता में आने के फौरन बाद ही निराशा का दौर शुरू हो गया था, क्योंकि वालंटियर्स को तभी से किनारे कर दिया गया।

विधायकों का मानना है कि 7 में से सिर्फ दो सांसद ही संगठन की पृष्ठभूमि के थे, राघव चड्ढा और संदीप पाठक। विधायकों का सवाल है, बाकियों को क्यों चुना गया? और शिकायत है, सरकार बनने के बाद हुए उपचुनावों में भी जमीनी कार्यकर्ताओं के बजाय दूसरे दलों से आने वाले नेताओं को टिकट दिया गया।

विधायकों की बातचीत से मालूम होता है कि ऊपर से जो कुछ लग रहा है, आम आदमी पार्टी पर खतरा कहीं ज्यादा है. क्योंकि, राघव चड्ढा और संदीप पाठक का पंजाब में पूरे संगठन पर अच्छा खासा प्रभाव था और यह बात पंजाब में नेताओं को शुरू से ही महसूस होती रही है। मालूम होता है कि पंजाब में असंतोष मनीष सिसोदिया के प्रभारी बन जाने के बाद बढ़ा है। संदीप पाठक के एक सहयोगी का कहना है कि पंजाब प्रभारी के पद से उनको हटाया जाना मुसीबत की जड़ था। दिल्ली की हार के बाद अरविंद केजरीवाल को पंजाब की चिंता सताने लगी थी और मनीष सिसोदिया को पंजाब का प्रभारी बनाए जाने की एक वजह यह भी थी. हां, उनको एडजस्ट भी तो करना था। यही बात संदीप पाठक को बुरी लगी, और राघव चड्ढा ने उनके मनमाफिक सपना दिखा दिया। अरविंद केजरीवाल हाथ मलते रह गए।

गंगोत्री से गंगासागर तक वेग के साथ बढ़ती बीजेपी की 'हिंदूधारा'

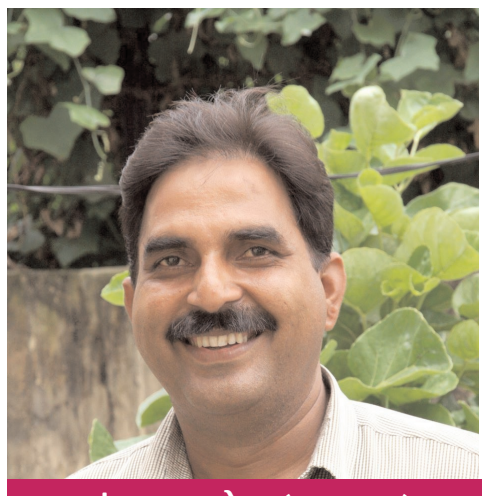

संजय सक्सेना (लखनऊ)

स्वर्ण खबर डेस्क

पश्चिम बंगाल में जीत के बाद एक नया ट्रेंड दिखाई दे रहा है। पहले जो बीजेपी कहा करती थी कि हमें मुसलमानों का वोट नहीं मिलता है, अब वही बीजेपी खुलेआम कहती है कि वह हिंदुओं के वोट से चुनाव जीती है। इसके साथ ही यह भी जोड़ देती है कि जो हमारे साथ था, हम उसके साथ हैं। जबकि इससे पहले मोदी कहा करते थे 'सबका साथ, सबका विकास'। सवाल यह है कि क्या अब बीजेपी बदल रही है? बीजेपी लगातार हिंदूधारा के सहारे आगे बढ़ती जा रही है। हिंदुओं को एकजुट करने के लिए बीजेपी का यह चुनावी मंत्र कहीं उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के पीडीए की धार तो कुंद नहीं कर देगा, जैसा 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव में देखा जा चुका है। कहीं ऐसा न हो कि 2024 के लोकसभा चुनाव में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) के सहारे भाजपा को काफी हद तक रोकने में सफल रहे सपा प्रमुख अखिलेश यादव का यह फार्मूला 2027 में धराशायी हो जाए। वैसे भी हर चुनाव में वोटरों की सोच बदलती रहती है। राजनीति में कोई भी फार्मूला हमेशा के लिए हिट नहीं होता है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि पश्चिम बंगाल में बीजेपी की शानदार जीत ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। वहां की सड़कों पर उत्सव मनाते कार्यकर्ता चिल्ला रहे हैं कि हम हिंदुओं के वोटों से जीते। पहले जहां बीजेपी कहती थी कि मुसलमानों का वोट हमें नहीं मिलता, अब वही दल खुलकर स्वीकार कर रहा है कि हिंदू भाइयों के बल पर हमने सत्ता की कुर्सी हासिल की। साथ ही जोर देकर कहते हैं कि जो हमारे साथ रहा, हम उसके साथ हैं। यह नया सुर सुनकर सवाल उठता है कि क्या बीजेपी अपना रास्ता बदल रही है? प्रधानमंत्री का पुराना नारा तो था 'सबका साथ, सबका विकास', लेकिन अब लगता है हिंदू एकजुटता का जाप जोर पकड़ रहा है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में यह बदलाव अखिलेश यादव के पीडीए फॉर्मूले को चुनौती दे सकता है। दोबारा देखें तो 2017 और 2022 के विधानसभा चुनावों में यही हिंदू वोटों का ध्रुवीकरण सपा को पटखनी दे चुका है, तो क्या 2024 के लोकसभा चुनाव में सफल रहा पीडीए का जादू अब फीका पड़ जाएगा? बहरहाल, पश्चिम बंगाल में हुई जीत कोई साधारण घटना नहीं है। वहां बीजेपी ने टीएमसी के किले को हिलाकर रख दिया। कार्यकर्ता खुशी से फूले नहीं समा रहे। वे मंचों पर चढ़कर घोषणा कर रहे हैं कि हिंदू भाइयों ने हमें चुना, इसलिए हम उनके हितों की रक्षा करेंगे। पहले बीजेपी पर इल्जाम लगता था कि वह मुसलमान वोटों से वंचित है। अब उसी दल के नेता बिना झिझक कह रहे हैं कि हिंदुओं की एकजुटता ही हमारी ताकत है। जो हमारे साथ खड़ा हुआ, हम उसी के साथ खड़े रहेंगे। यह बातें सुनकर विपक्षी दल सन्न रह गए। तृणमूल कांग्रेस तो पहले से ही आरोप लगाती रही है कि बीजेपी ध्रुवीकरण की राजनीति करती है, लेकिन अब बीजेपी खुद इसे स्वीकार कर रही है। क्या यह रणनीति का नया मोड़ है? पश्चिम बंगाल जैसे राज्य में, जहां हिंदू आबादी बहुमत में है लेकिन बिखरी हुई रही, वहां यह नारा काम कर गया। अब सवाल यह है कि क्या यही नारा उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में भी धमाल मचाएगा?

उत्तर प्रदेश की राजनीति हमेशा से ही जटिल रही है। यहां वोट बैंक की गणित बड़ी बारीकी से सेट होती है। अखिलेश यादव ने 2024 के लोकसभा चुनाव में पीडीए का फार्मूला अपनाया। पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों को एकजुट कर बीजेपी को कड़ी टक्कर दी। सपा ने समाजवादी नीतियों के साथ गठबंधन की ताकत दिखाई। कई सीटों पर जीत हासिल की। लेकिन विधानसभा चुनावों का इतिहास कुछ और कहता है। 2017 में बीजेपी ने हिंदू कार्ड खेला। राम मंदिर का मुद्दा उठाया। गोरखपुर से बनारस तक हिंदू एकता का नारा गूंजा। नतीजा, सपा-बसपा गठबंधन धूल चाट गया। फिर 2022 में भी यही हुआ। योगी आदित्यनाथ ने बुलडोजर की राजनीति से अपराधियों पर नकेल कसी। हिंदू वोट सिमटे। सपा का पीडीए फार्मूला फेल हो गया। अखिलेश यादव पिछड़ों को जोड़ने की कोशिश करते रहे, लेकिन हिंदू ध्रुवीकरण ने सब बर्बाद कर दिया। अब पश्चिम बंगाल की जीत के बाद बीजेपी फिर वही पुराना हथियार उठा रही है। क्या अखिलेश का पीडीए फिर कुंद पड़ जाएगा?

जानकार कहते हैं कि राजनीति में वोटरों की सोच बदलती रहती है। हर चुनाव अलग कहानी लिखता है। कोई फार्मूला हमेशा हिट नहीं होता। 2014 में मोदी लहर चली। 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा गूंजा। विकास, राष्ट्रवाद और भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम ने कांग्रेस को धराशायी कर दिया। लेकिन 2019 में राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा हावी रहा। पुलवामा हमला और बालाकोट स्ट्राइक ने हिंदू राष्ट्रवाद को पंख दिए।

2024 में विपक्ष ने एकता दिखाई। इंडिया गठबंधन बना। उत्तर प्रदेश में पीडीए ने कमाल कर दिया। सपा ने कहा कि हम सबको साथ लेंगे। यादव, मुस्लिम और दलित को जोड़ा। कुछ हद तक सफल रहे। लेकिन अब बीजेपी बंगाल मॉडल को यूपी में आजमाने को तैयार है। वहां हिंदू वोटों से जीतकर उत्साहित नेता कह रहे हैं कि यही फार्मूला राष्ट्रीय स्तर पर चलेगा। उत्तर प्रदेश में हिंदू आबादी करीब 80 प्रतिशत है। अगर ये एकजुट हो गए, तो पीडीए का क्या होगा?

बीजेपी के नेता अब खुलकर कह रहे हैं। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी पर हमला बोला गया कि वे हिंदू विरोधी हैं, इसलिए हिंदुओं ने हमें चुना। अब उत्तर प्रदेश में भी योगी आदित्यनाथ ऐसा ही करेंगे। बुलडोजर अब भी खड़ा है। कानून-व्यवस्था का डर दिखाकर हिंदू वोट साधे जाएंगे। अखिलेश यादव को चुनौती दी जाएगी कि तुम्हारा पीडीए सिर्फ वोट लेने का धंधा है। हम हिंदुओं के सच्चे हितैषी हैं। मंदिर-मस्जिद विवाद फिर गरमाएगा। अयोध्या राम मंदिर का श्रेय लिया जाएगा। काशी और मथुरा पर नजर रखी जाएगी। क्या अल्पसंख्यक वोट सपा के पास टिकेंगे? या डर से बिखर जाएंगे? 2017 और 2022 में यही हुआ था। मुसलमान वोट सपा को मिले, लेकिन हिंदू बीजेपी के पाले में चले गए।

अब 2027 के विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं। बीजेपी बंगाल का जाप यूपी में गूंजाएगी। अखिलेश यादव की मुश्किल बढ़ सकती है। उनका पीडीए पिछड़ों को लुभाने का प्रयास है। लेकिन हिंदू ध्रुवीकरण में ब्राह्मण, ठाकुर, वैश्य सब बीजेपी की गोद में चले जाते हैं। दलित भी कभी-कभी बहुजन समाज पार्टी से नाराज होकर बीजेपी की ओर झुक जाते हैं। 2024 में सपा ने ब्राह्मण चेहरों को आगे किया। कुछ सफलता मिली। लेकिन अगर बीजेपी कहे कि हम हिंदू एकता के लिए लड़ रहे हैं, तो ब्राह्मण वोट फिसल सकते हैं। यादव भाईचारे पर सपा निर्भर है, लेकिन ग्रामीण इलाकों में हिंदू भावना भड़क सकती है। अखिलेश को नया जवाब ढूंढना होगा। शायद विकास और रोजगार पर जोर दें या गठबंधन मजबूत करें। लेकिन राजनीति में वोटर का मन बदलता है। पश्चिम बंगाल ने दिखा दिया कि हिंदू नारा कितना कारगर है। विपक्षी दलों को भी सोचना होगा। कांग्रेस और अन्य दल बीजेपी के इस नए सुर से परेशान हैं। वे कहते हैं कि यह संविधान विरोधी है। लेकिन जनता क्या सोचेगी?

इस पर उत्तर प्रदेश के गांवों में चाय की दुकानों पर बहस छिड़ जाएगी। कोई कहेगा बीजेपी सही कह रही है, हिंदू एकजुट हो जाओ। कोई बोलेगा अखिलेश सबको साथ लेकर चलेगा। चुनावी रणनीति बदल रही है। बीजेपी का 'सबका साथ' वाला नारा पीछे छूट रहा है। अब हिंदू हित का जाप है। पश्चिम बंगाल की जीत इसका प्रमाण है। उत्तर प्रदेश में अगर यही चला, तो सपा का पीडीए धराशायी हो सकता है। यह सब वोटरों की सोच पर निर्भर है। हर चुनाव नई उम्मीदें जगाता है, लेकिन इतिहास दोहराने का खतरा मंडरा रहा है। यह बदलाव बीजेपी के लिए बड़ा दांव है। पहले वे सभी को लुभाते थे, अब खुलकर हिंदू कार्ड खेल रहे हैं। क्या इससे मुस्लिम वोट पूरी तरह खिसक जाएंगे? या विकास के नाम पर कुछ लौट आएंगे? उत्तर प्रदेश में परीक्षा कठिन है। यहां जातियां बिखरी हैं। यादव, जाट, कुर्मी, मौर्य सब अलग-अलग सोचते हैं। पीडीए ने इन्हें जोड़ा था, लेकिन हिंदू एकता का नारा इन सबको लपेट सकता है। अखिलेश को सतर्क रहना होगा। नया नैरेटिव गढ़ना पड़ेगा। शायद किसान मुद्दे उठाएं या युवाओं को नौकरी का वादा करें। राजनीति का खेल अनिश्चित है। पश्चिम बंगाल ने एक संकेत दिया है। उत्तर प्रदेश में क्या होगा, समय बताएगा। वोटर ही राजा है। उसकी सोच बदलेगी, तो फार्मूले भी बदलेंगे।

संपादकीय

चेतावनी के धमाके

गाहे-बगाहे पंजाब में शांति भंग करने के अनेक कुत्सित प्रयास होते नजर आए हैं। सीमा पार से पंजाब का सुख-चैन छीनने के षड ?यंत्र काले दौर से लेकर अब तक रुके नहीं हैं। नशे और बेरोजगारी को हथियार बनाकर भटके युवाओं को इन साजिशों का हथियार बनाने के मामले भी उजागर हुए हैं। पंजाब में हाल ही में दो धमाके हुए, पहला जालंधर में बीएसएफ चौकी के बाहर और दूसरा अमृतसर में सेना की छावनी के पास हुआ। सेना और सुरक्षा बलों को लक्षित इन हमलों के घातक मंसूबों को समझा जा सकता है। वहीं दूसरी ओर समय और लक्ष्य के लिहाज से इतने करीबी हमलों के निहितार्थ समझना कठिन नहीं है कि ये महज सामान्य मामले नहीं थे। अब भले ही इन धमाकों की तीव्रता कम रही हो,लेकिन इनमें गंभीर रणनीतिक चेतावनी छिपी है। वह ये कि भारतीय सुरक्षा व्यवस्था के संवेदनशील क्षेत्रों की हिफाजत को आंका जा रहा है। वहीं दूसरी ओर पंजाब के डीजीपी गौरव यादव द्वारा सैन्य क्षेत्र के पास हुए धमाकों में विस्फोटक उपकरण यानी आईडीपी के इस्तेमाल की पुष्टि करना, खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। निस्संदेह, ये महज आकस्मिक घटनाएं मात्र नहीं हैं। ये सुनियोजित तरीके व जासूसी के जरिये रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास की कमजोर कड़ियों को तलाशने की कुत्सित कोशिश है। अब चाहे इन आतंकी गतिविधियों के तार स्थानीय साजिश से जुड़े हों या फिर सीमा पार से साजिश को अंजाम दिया गया हो, कह सकते हैं कि मिलाजुला षड ?यंत्र हो, मगर तौर-तरीका स्पष्ट है। हालांकि, राजनीतिक दल अपनी राजनीतिक लाइन के अनुरूप बयान देने से बाज नहीं आ रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसका दोष भाजपा पर मढ़ा है। वहीं भाजपा आप सरकार पर आरोप लगा रही है कि वह राज्य को सुरक्षा देने में विफल रही है। बहरहाल, भले ही आरोप-प्रत्यारोप का यह खेल नेताओं को राजनीतिक लाभ-हानि के गणित के अनुरूप लगता हो, मगर राज्य की सुरक्षा के नजरिये से अदूरदर्शी कदम ही कहा जाएगा। यह विडंबना ही है कि पंजाब के राजनेता अतीत के स्याह दौर की घातकता से कोई सबक नहीं सीखते हैं। राजनेताओं की संकीर्णता और दूरगामी प्रभावों को नजरअंदाज करके की गई बयानबाजी ही चिंगारी को आग बनाने का काम करती है। जिसकी कीमत दशकों तक पंजाब के लोगों व राज्य की अर्थव्यवस्था को चुकानी पड़ती है। यह सामान्य तथ्य है कि कि जब भी इस संवेदनशील व सीमावर्ती राज्य पर कोई सुरक्षा संकट पैदा हो, उसके लिये राजनीतिक भेदभाव भुलाकर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता है।

चिंतन-मनन

व्यापारी के बेटे

एक व्यापारी के दो पुत्र थे। मरने से पहले उसने अपनी संपत्ति दोनों बेटों में बराबर-बराबर बांट दी। एक पुत्र ने अपने व्यापार को काफी बढ़ाया। वह अत्यंत संपन्न होकर समाज के प्रतिष्ठत लोगों में गिना जाने लगा। जबकि दूसरे को व्यापार में घाटा हो गया और उसके परिवार को दो जून की रोटी जुटाने में भी अत्यंत तकलीफें उठानी पड़ीं। अपने भाई की तरक्की और अपनी दुर्दशा देखकर दूसरा भाई एक संत के आश्रम में पहुंचा और बोला, महाराज, मुझे लगता है कि ईश्वर केवल कल्पना है और यदि उसका अस्तित्व कहीं है भी तो वह पक्षपाती है। क्या वह भी पक्षपात करता है? मैं और मेरे भाई दोनों एक ही पिता की संतान हैं। पिता ने दोनों को बराबर हिस्सा दिया। लेकिन वह लगातार तरक्की कर रहा है और मैं रसातल की ओर जा रहा हूं। भला ऐसा क्यों?

उसकी बात सुनकर संत उसे अपने साथ एक बगीचे में ले गए और बोले, देखो, वहां एक कोने में गन्ना बोया हुआ है, दूसरे कोने में चिरायता है, एक ओर चमेली के फूल अपनी सुगंध बिखेर रहे हैं तो दूसरी ओर गुलाब के पौधों पर फूलों के साथ कांटे भी नजर आ रहे हैं । इनकी इस भिन्नता के लिए इन्हें पैदा करने वाली जमीन दोषी या पक्षपाती नहीं है। जैसा बीज बोया गया है वैसा ही फल मिला है। सुख-दुख और उन्नति-अवनति के लिए ईश्वर जिम्मेदार नहीं बल्कि स्वयं मनुष्य जिम्मेदार है। उसके कर्म और संस्कार जिम्मेदार हैं। तुम्हारे भाई ने मेहनत और योग्यता से अपने काम को संभाला तो उसकी उन्नति होती गई, इसके विपरीत तुमने आलस्य और भोग-विलास में अपना समय व्यतीत किया तो तुम्हारा धन धीरे-धीरे खत्म होता गया। तुमने मेहनत की ही कब थी जो ईश्वर को दोष दे रहे हो। जैसा कर्म तुमने किया है वैसा ही फल पाया है। ह सुनकर दूसरे पुत्र की आंखें खुल गईं। वह अपनी गलती सुधारने का निश्चय कर वहां से चला आया।

संकट की घड़ी में दुनिया की संजीवनी है रेडक्रॉस

योगेश कुमार गोयल

रेडक्रॉस की स्थापना महान् मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेंट द्वारा की गई थी, इसीलिए उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संस्था की गतिविधियों से आम आदमी को अवगत कराने के प्रयास किए जाते हैं। रेडक्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी और अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है। 8 मई 1828 को जन्मे डयूनेंट 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा देख बहुत आहत हुए थे क्योंकि युद्धभूमि में पड़े इन घायल सैनिकों के उपचार के लिए कोई चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। युद्ध मैदान में घायल पड़े इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने 'मेमोरी और सालफिरोनो' नामक एक पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति 'आईसीआरआई' का गठन किया। डयूनेंट के सतत प्रयासों की बदौलत ही 1864 में जेनेवा समझौते के तहत 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंट' की स्थापना हुई।

डयूनेंट ने इटली में युद्ध के दौरान रक्तपात का ऐसा भयानक मंजर देखा था, जब चिकित्सकीय सहायता के अभाव में युद्धक्षेत्र में अनेक घायल सैनिक हृदयविदारक कष्टों से तड़प रहे थे। ऐसे घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा। युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए उसके बाद एक आयोग का गठन किया गया। 1863 में जेनेवा में एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक में रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया। नेपोलियन तृतीय के हस्तक्षेप के चलते अंतर्राष्ट्रीय समिति 'स्विस फेडरल काउंसिल' को 8 अगस्त 1864 को जेनेवा में सम्मेलन बुलाने के लिए राजी करने में सफल हुई, जिसमें 26 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सम्मेलन के चलते जेनेवा अधिवेशन हुआ, जिसमें सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है। शुरूआती दौर में रेडक्रॉस की भूमिका युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है। मानवीय सेवा को समर्पित रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था। दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी' की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं। शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्त्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। फिलहाल 190 से भी अधिक देशों में 'रेडक्रॉस' संस्था सक्रिय है। भारत में 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम' के तहत वर्ष 1920 में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के नौ वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी' को मान्यता प्रदान की।

भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया। वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं। रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था है, जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब एक करोड़ सत्तर लाख स्वयं सेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को 'अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस' भी कहा जाता है।

रेडक्रॉस लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है और अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये देशभर में जगह-जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित करती है। देश में रक्त एकत्रित करने तथा वही रक्त जरूरतमंद लोगों के लिए सही समय पर उपलब्ध कराने का कार्य यह संस्था कई दशकों से लगातार कर रही है। वास्तव में रक्त इकट्ठा करने वाली यह विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी संस्था है, जिससे कैंसर, थैलेसीमिया, एनीमिया जैसी प्राणघातक बीमारियों से जूझ रहे हजारों लोगों की भी जान बचाई जाती हैं। रेडक्रॉस की पहल पर दुनिया का पहला ब्लड बैंक अमेरिका में 1937 में स्थापित हुआ था और वर्तमान में दुनियाभर के अधिकांश ब्लड बैंकों की देखरेख रेडक्रॉस तथा उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा ही की जाती है। रेडक्रॉस देश के किसी भी भाग में मानवीय या प्राकृतिक आपदा के शिकार लोगों को बचाने तथा उन्हें राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। रेडक्रॉस का मुख्य उद्देश्य जीवन तथा स्वास्थ्य की सुरक्षा करना एवं मानव मात्र का सम्मान सुनिश्चित करना है।

पुराने दोस्त द्रमुक का हाथ दिया झटक, सत्ता के लिए पाला बदलने में कांग्रेस को कभी नहीं होती हिचक

नीरज कुमार दुबे

तमिलनाडु की राजनीति में आज एक बड़ा और चौंकाने वाला मोड़ देखने को मिला, जब कांग्रेस ने विजय की तमिलगा वेत्री कड़गम यानि टीवीके को सरकार गठन के लिए समर्थन देने की घोषणा कर दी। इस फैसले के साथ ही द्रविड़ मुनेत्र कषगम यानि द्रमुक और कांग्रेस के बीच दो दशक से अधिक पुराने राजनीतिक रिश्ते पर लगभग विराम लग गया है। कांग्रेस ने साफ किया है कि उसका यह गठबंधन केवल सरकार गठन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि स्थानीय निकाय, लोकसभा और राज्यसभा चुनावों तक जारी रहेगा।

हम आपको बता दें कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी टीवीके 234 सदस्यीय सदन में 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बहुमत के लिए 118 सीटों की जरूरत है। कांग्रेस के पांच विधायकों के समर्थन के बाद यह संख्या 113 तक पहुंच गई है और अब सरकार गठन के लिए केवल पांच और विधायकों की आवश्यकता रह गई है। विजय ने राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा भी पेश कर दिया है।

कांग्रेस ने अपने समर्थन के साथ एक महत्वपूर्ण शर्त भी रखी है। पार्टी ने कहा है कि टीवीके किसी भी परिस्थिति में भाजपा या उसके सहयोगी दलों को सरकार या गठबंधन का हिस्सा नहीं बनाएगी। तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडानकर ने कहा कि कांग्रेस धर्मनिरपेक्ष, प्रगतिशील और संवैधानिक मूल्यों वाली राजनीति के साथ खड़ी है और जनता के जनादेश का सम्मान करना उसका कर्तव्य है।

उधर, कांग्रेस के इस फैसले ने द्रमुक को गहरा राजनीतिक झटका दिया है। द्रमुक नेताओं ने इसे ह्यपीठ में छूरा घोंपनाह्ल बताया है। यह नाराजगी इसलिए भी अधिक है क्योंकि द्रमुक और कांग्रेस का रिश्ता केवल चुनावी समझौता नहीं बल्कि लंबे समय की राजनीतिक साझेदारी माना जाता रहा है। दोनों दल पहली बार 1971 में साथ आए थे और बाद में 2004 से 2013 तक द्रमुक केंद्र में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार का अहम हिस्सा रही थी। 2016 के बाद दोनों ने फिर मिलकर चुनाव लड़े और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा विरोधी राजनीति की मजबूत धुरी बने।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस का यह कदम केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका असर राष्ट्रीय राजनीति और विपक्षी गठबंधन इंडिया पर भी पड़ेगा। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब कांग्रेस और द्रमुक तमिलनाडु में आमने सामने होंगे, तब क्या वह राष्ट्रीय स्तर पर एक मंच पर बने रह पाएंगे। कांग्रेस यह तर्क दे रही है कि वाम दलों और तृणमूल कांग्रेस की तरह अलग अलग राज्यों में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद इंडिया गठबंधन जारी रह सकता है। लेकिन द्रमुक की नाराजगी और कांग्रेस के नए रुख ने विपक्षी एकता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस घटनाक्रम का सबसे बड़ा राजनीतिक लाभ विजय और उनकी पार्टी टीवीके को मिलता दिखाई दे रहा है। पहली बार चुनाव लड़कर सबसे बड़ी पार्टी बनना और उसके तुरंत बाद कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल का समर्थन हासिल करना विजय को राज्य की राजनीति में एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित करता है। यही कारण है कि कांग्रेस कार्यकताओं ने चेन्नई स्थित सत्यमूर्ति भवन में जश्न मनाया और इसे नई राजनीतिक शुरूआत बताया।

विजय ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से बात कर उन्हें शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित भी किया है। इससे यह संकेत मिलता है कि दोनों दल भविष्य में स्थायी राजनीतिक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। कांग्रेस नेता प्रवीण चक्रवर्ती ने बताया कि विजय ने राहुल गांधी और खरगे को फोन कर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। हालांकि सरकार गठन का रास्ता अभी पूरी तरह साफ नहीं है। कांग्रेस के समर्थन के बाद भी टीवीके बहुमत से पांच सीट दूर है। ऐसे में नजर अब अन्नाद्रमुक पर टिकी है, जिसके पास 47 विधायक हैं। यदि अन्नाद्रमुक किसी रूप में समर्थन देती है, तो विजय आसानी से बहुमत हासिल कर सकते हैं। लेकिन यही वह स्थिति है जिसने कांग्रेस को असहज कर रखा है, क्योंकि उसने स्पष्ट कहा है कि भाजपा या उसके सहयोगियों की भागीदारी स्वीकार नहीं होगी। ऐसे में देखना होगा कि क्या अन्नाद्रमुक में विभाजन होता है या फिर अन्नाद्रमुक भाजपा का साथ छोड़कर विजय के साथ आ जाती है।

देखा जाये तो तमिलनाडु की राजनीति का इतिहास भी बताता है कि यहां गठबंधन स्थायी नहीं रहे हैं। कभी कांग्रेस और द्रमुक साथ रहे, फिर कांग्रेस अन्नाद्रमुक के साथ चली गई। 1999 में द्रमुक ने भाजपा के साथ हाथ मिलाया, जबकि 2004 में वह फिर कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन में लौट आई। इस बार भी सत्ता समीकरण ने पुराने रिश्तों को बदल दिया है। राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो कांग्रेस का यह फैसला व्यावहारिक राजनीति का उदाहरण माना जा रहा है। पार्टी को यह एहसास हो गया था कि द्रमुक के साथ रहते हुए उसकी भूमिका सीमित होती जा रही थी। वहीं टीवीके के साथ आने से उसे भविष्य में अधिक सीटें और सत्ता में भागीदारी मिलने की संभावना दिखाई दे रही है। दूसरी ओर द्रमुक के लिए यह संकट का समय है, क्योंकि उसका सबसे पुराना सहयोगी अब उसके विरोधी खेमे में खड़ा दिखाई दे रहा है।

आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या इंडिया गठबंधन इस राजनीतिक झटके को संभाल पाता है या फिर राज्यों में बदलते समीकरण राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता को कमजोर कर देंगे। फिलहाल इतना तय है कि तमिलनाडु की राजनीति में विजय का उदय और कांग्रेस का नया दांव देश की राजनीति में एक नए दौर की शुरूआत का संकेत दे रहा है।

आईपीएल में आज होगा दिल्ली और केकेआर का मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम शुक्रवार को यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से मुकाबला करेगी। कैपिटल्स का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर ये मैच जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनएं बनाये रखना है। अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स अब तक 9 मैचों में 8 अंकों के साथ ही 7वें स्थान पर हैं, ऐसे में प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उसे इस मैच में बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी। वहीं अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स ने अब तक तीन मैच जीते हैं जबकि उसके एक मैच का परिणाम नहीं निकला। इस प्रकार वह कुल 7 अंक लेकर तालिका में आठवें स्थान पर हैं। ऐसे में उसे भी प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनएं बनाये रखने ये मैच किसी भी हाल में जीतना होगा। इस प्रकार देखा जाये तो दोनो ही टीमों एक ही स्तर पर है। दोनो के ही बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। वहीं गेंदबाज लक्ष्य का बचाव करने में विफल रहे हैं। हाल ही में दिल्ली को अपने घरेलू मैदान पर सीएसके के हाथों हार का सामना करना पड़ा है जिससे उसका मनोबल गिरा हुआ है। वहीं केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत हासिल की है जिससे उसके हौंसले बुलंद है जिसका लाभ उसे मिलेगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो टीमों के बीच 35 मुकाबले खेले गये हैं। इसमें से 15 दिल्ली जबकि 19 केकेआर ने जीते हैं। दिल्ली कैपिटल्स की बल्लेबाजी केएल राहुल और पथुम निसांका पर आधारित है। वहीं गेंदबाजी की कमान मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, लुंगी एनगिडी के पास रहेगी।

दूसरी ओर केकेआर की बात करें तो उसकी बल्लेबाज रहाणे के अलावा, रिंकू सिंह, कैमरुन ग्रीन पर निर्भर करेगी। उसकी गेंदबाजी सुनील नरेन, कार्तिक त्यागी, वरुण चक्रवर्ती पर अर्धारित रहेगी।

अरुण जेटली स्टेडियम की पिच पर आम तौर पर बड़े स्कोर बनने हैं। ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक होना तय है।

टीम इस प्रकार है

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), पथुम निसांका, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश राणा, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, समीर रिजवी, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, लुंगी एनगिडी, टी नटराजन।

इम्पैक्ट प्लेयर- करुण नायर

कोलकाता नाइट राइडर्स: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, कैमरन ग्रीन, रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, अनुकूल रॉय, सुनील नरेन, कार्तिक त्यागी, वरुण चक्रवर्ती

इम्पैक्ट प्लेयर- वैभव अरोड़ा

आईपीएल 2026 अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची सनराइजर्स, पंजाब किंग्स दूसरे नंबर पर खिसकी

हैदराबाद (एजेंसी)। पंजाब किंग्स (पीबीसकेएस) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) मैच के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की अंक तालिका में बदलाव आया है और शुरुआत से ही शीर्ष पर चल रही पंजाब किंग्स अब दूसरे नंबर पर खिसक गयी है। वहीं सनराइजर्स पहले नंबर पर आ गयी है। पंजाब किंग्स को सनराइजर्स के खिलाफ मैच में हार का सामना करना पड़ा था। इसी कारण उसके हाथ से नंबर एक स्थान निकल गया। वहीं इस मैच के परिणाम से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) पर भी प्रभाव पड़ा है और वह दूसरे से तीसरे नंबर पर खिसक गयी है।

सनराइजर्स अब अंक तालिका में शीर्ष पर है, जिसने 11 मैचों में 7 जीत के साथ कुल 14 अंक हो गये हैं। इतने अंक फिलहाल अन्य किसी टीम के नहीं हैं। वहीं, लगातार तीन मैचों में हार का सामना करने के बाद, पंजाब किंग्स 10 मैचों में 13 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गई है। आरसीबी, जो इस मैच से पहले दूसरे पायदान पर थी, अब 9 मैचों में 6 जीत और 12 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर आ गई है। बेहतर नेट रन रेट के कारण वह चौथे स्थान पर मौजूद राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से आगे है, जिसने 10 मैचों में 6 जीत के साथ 12 अंक हासिल किये हैं।

वहीं शीर्ष चार से बाहर, पांचवें स्थान पर गुजरात टाइटन्स (जीटी) है। जीटी ने भी 10 मैचों में 6 मुकाबले जीते हैं और उसके भी 12 अंक हैं, लेकिन नेट रन रेट में पिछड़ने के कारण वह शीर्ष 4 से बाहर है। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स 10 मैचों में 5 जीत के साथ 10 अंक लेकर छठे स्थान पर बरकरार है। दिल्ली कैपिटल्स 10 मैचों में 4 जीत और 8 अंकों के साथ सातवें नंबर पर है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 9 में से 3 मैच जीते हैं और एक मैच बारिश के कारण बेनतीजा रहा, जिससे उसके खाते में 7 अंक हैं और वह आठवें स्थान पर है। अंक तालिका में नौवें स्थान पर मुंबई इंडियंस है, जिसने 10 मैचों में केवल 3 जीत हासिल की हैं और उसके 6 अंक हैं। सबसे निचले पायदान पर लखनऊ सुपर जायंट्स है, जिसने इस सीजन के आधे से अधिक मुकाबले खेलने के बाद भी 9 मैचों में केवल दो जीत दर्ज की हैं और उसके पास सिर्फ 4 अंक हैं।

रियान पराग को बिना कुछ किये ही मिल गई रॉयल्स की कप्तानी : मांजरेकर

मुम्बई (एजेंसी)। अपने बयानों के कारण विवादों में रहने पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी रियान पराग को दिये जाने पर सवाल उठाये हैं। मांजरेकर ने कहा है कि रियान को बिना कुछ किये ही कप्तानी मिल गयी। मांजरेकर ने कहा कि रियान को कप्तानी एक प्राकर से इनाम के तौर पर मिली है। रॉयल्स ने नियमित कप्तान संजू सैमसन के चेन्नई सुपर किंग्स जाने के बाद रियान को कप्तानी दे दी थी। आईपीएल 2025 में भी रियान ने कुछ मैचों में कप्तानी की थी पर वह सफल नहीं रहे थे। पर आईपीएल इसे वर्तमान सत्र में उन्होंने टीम को 10 में से 6 मैच जिताकर अपने को साबित किया है। इसके बाद भी मांजरेकर के उनपर सवाल उठाने से सभी हैरान हैं।

मांजरेकर ने पराग को लेकर कहा, वह आम भारतीय खिलाड़ियों में से एक नहीं है। वह फिट है, लेकिन मैं कहूंगा, इतने सालों में मैंने जिस तरह का प्रदर्शन देखा है, उसके बाद, यह कुछ ऐसा है जो मुझे थोड़ा अजीब लगता है कि राजस्थान रॉयल्स ने उसे इतना अधिक समर्थन दिया है। मांजरेकर ने आगे यह भी कहा कि राजस्थान रॉयल्स ने रियान पराग को बेकार ही ये जिम्मेदारी दी।

साथ ही कहा, मेरा मतलब है, संजू सैमसन ने कुछ सालों तक उनके लिए कप्तानी की और फिर उन्हें हटा दिया गया और रियान ने उनकी जगह ले ली। मुझे नहीं पता कि वहां क्या हुआ? लेकिन मुझे नहीं लगता कि क्रिकेट के नज़रिए से, इसका कोई मतलब बनता है। मांजरेकर ने साफ शब्दों में अपनी असहमति जताते हुए कहा, यह कहना थोड़ा कठोर है, लेकिन उसे इनाम के तौर पर बहुत ज़्यादा मिल गया है। उन इनामों के लिए सच में कड़ी मेहनत नहीं की। इसलिए यह राजस्थान रॉयल्स से जुड़ा एक बहुत ही दिलचस्प मामला है। रियान 2019 से राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहे हैं। आईपीएल 2026 के मौजूदा सीज़न में, उन्होंने 10 पारियों में 207 रन बनाए हैं।

दिल्ली कैपिल्स के लिए प्लेऑफ के दरवाजे अभी बंद नहीं, बड़े अंतर से जीतने होंगे सभी बचे हुए मैच

नई दिल्ली(एजेंसी)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है और उसे 10 में से 6 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। जिससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनएं भी कमजोर हुई हैं हालांकि ये समाप्त नहीं हुई हैं। कैपिटल्स की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। टीम 6 हारने के बाद वे अंक तालिका में सातवें स्थान पर खिसक गयी है। टीम के अभी आठ अंक हैं और उसे अब बचे हुए सभी चार मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे।

उसे प्लेऑफ में पहुंचने इन सभी चारों मैचों में हर हाल में जीत हासिल करनी होगी। ऐसा करने पर उनके अंकों की संख्या बढ़कर 16 पहुंच जाएगी। आईपीएल इतिहास पर ध्यान दें तो 16

अंकों वाली टीम को प्लेऑफ में अवसर मिल ही जाता है। उसे पर , अपने नेट रन रेट में भी सुधार करना होगा, जो वर्तमान में माइनस में है और करीबी मुकाबलों में निर्णायक साबित हो सकता है। दिल्ली कैपिटल्स को अब हर मैच जीतना होगा। एक भी हार उसे बाहर कर देगी। यदि वे बचे हुए चार मैचों में से एक भी मुकाबला हारते हैं, तो उनके अधिकतम अंक 14 तक ही पहुंच पाएंगे। इस बार 14 अंकों के साथ प्लेऑ में पहुंचना लगभग असंभव है। अंक तालिका की स्थिति देखें तो पाएंगे कि पहले से ही छह टीमों के खाते में 10 या उससे अधिक अंक हैं। इनमें से एक टीम के पास 13 अंक हैं और चार टीमें 12-12 अंकों के साथ शीर्ष-4 में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही हैं। ऐसे में 14 अंक पर टीम बाहर हो जाएगी। अधिकतर टीमें 16 या उससे अधिक अंक तक पहुंच सकती हैं। दिल्ली के लिए राह और भी कठिन इस कारण से है क्योंकि उनके बाकी बचे चार मुकाबले आसान नहीं हैं। उन्हें दो बार कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलना है। इसके अलावा उसे पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स से भी खेलना है। पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछली टक्कर में दिल्ली को 264 रन बनाने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसे पंजाब से सतर्क रहना होगा। वहीं, राजस्थान रॉयल्स इस सीजन की सबसे खतरनाक टीमों में से एक रही है, हालांकि लीग चरण में दिल्ली ने उन्हें एक बार हराया है।

ईशान ने पंजाब किंग्स का खराब फीलिडंग के लिए मजाक उड़ाया

हैदराबाद । सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान ईशान किशन ने पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में मिली 33 रनों जीत पर खुशी जताते हुए विरोधी टीम की खराब फीलिडंग पर तंज कसा है। इस मैच में पंजाब ने कई कैच छोड़े जिससे उसके हाथ से ये मैच निकल गया। इसी के साथ ही पंजाब टीम को छह जीत के बाद लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। मैच के बाद ईशान ने पंजाब किंग्स की खराब फीलिडंग की हंसी उड़ाते हुए सोशल मडिया में एक पोस्ट किया, जो तेजी से छा गयी। ईशान ने अपनी पोस्ट में केवल तीन शब्द लिखे अगर मुझे पकड़ सकते हो तो पकड़ों। इस पोस्ट से ईशान ने पंजाब के फील्डरों का एक प्रकार से मजाक उड़ाया है क्योंकि उनके तीन कैच पंजाब ने गिरा दिये थे। ईशान पहली बार जब 9 रन पर थे तभी कूपर कॉनॉली ने उनका कैच छोड़ दिया था। इसके बाद जब वह 18 रन पर थे, तब लॉकी फर्ग्यूसन ने भी कैच गिरा दिया। वहीं इसके बाद 20 रन पर प्रभसिमरन सिंह ने उनकी स्टंपिंग का अवसर छोड़ दिया था। इसी कारण ईशान 32 गेंदों में 55 रन बनाने में सफल रहे। ईशान ही नहीं, सनराइजर्स के दूसरे बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन का भी कैच गिरा था। इसके बाद क्लासने ने 43 गेंदों में 69 रनों की आक्रामक पारी खेली थी। इसका नुकसान पंजाब को हुआ था।

मुम्बई इंडियंस के साथ रायपुर नहीं पहुंचे हार्दिक , टीम में मतभेद की अटकलें लगीं

रायपुर। मुंबई इंडियंस टीम 10 मई को रायपुर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफा होने वाले मैच के लिए पहुंच गयी है पर टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या नहीं पहुंचे हैं। जिससे कई सवाल उठ रहे हैं। ये भी अटकले हैं कि टीम में सब कुछ ठीक नहीं हैं। महत्वपूर्ण मैच से पहले कप्तान की अनुपस्थिति से प्रशंसकों का आशंकित होना जायज भी है। वहीं आधिकारिक रूप से यह बताया नहीं गया है कि हार्दिक बाद में टीम के साथ जुड़ेंगे या नहीं। हार्दिक को लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ पिछले मैच से पहले पीठ में जकड़न आ गयी थी। इसी कारण वह तब मुकाबले से बाहर हो गये थे। ऐसे में उनकी जगह पर अनुभवी बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने टीम की कप्तानी की थी। उस मैच में मुंबई इंडियंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लखनऊ को हराया था, जिससे टीम ने प्लेऑफ की अपनी संभावनएं बरकरार रखीं थीं।

सैमसन ने सीएसके में आते ही अपने को साबित किया : गायकवाड़

नई दिल्ली। बल्लेबाज संजू सैमसन ने आईपीएल के इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से सबसे अधिक रन बनाये हैं। अब तक सीएसके को जीत मिली हैं। उसमें भी सैमसन की सबसे बड़ी भूमिका रही है। सैमसन को इसी साल सीएसके ने ट्रेड डील के जरिये राजस्थान रॉयल्स ने खरीदा था और उसका ये दांव सफल रहा। सैमसन ने उसकी ओर से अब तक इस सत्र में दो शतक लगा दिया है। वहीं कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में सैमसन ने नाबाद 87 रनों की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाने के साथ ही पलेऑफ की दौड़ में भी बनाये रखा है। इसी को देखते हुए टीम के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने भी कहा है कि सैमसन ने आते ही कमाल कर दिया। अपने प्रदर्शन से वह टीम के सबसे भरोसमंद खिलाड़ी बन गये हैं। सैमसन ने तीसरी बार 80 से अधिक रन का स्कोर था, और एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि जब भी उन्होंने 40 रन का आंकड़ा पार किया है, सीएसके ने जीत हासिल की है। संजू की ये फार्म 2026 टी20 विश्व कप के अंतिम चरणों से ही लगातार जारी है। गायकवाड़ ने सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा, विश्व कप से लेकर अभी जिस तरह का टूर्नामेंट संजू ने खेला है, उसके बाद टीम में उनका होना हमारे लिए बहुत बड़ी बात है। अब वह हमारी बल्लेबाजी की रीढ़ हैं। संजू के प्रदर्शन के कारण ही सीएसके 10 अंकों के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है। अब उसकी नजरें प्लेऑफ की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए अगले दो बेहद महत्वपूर्ण मुकाबलों पर होगी।

विनेश फोगाट डब्ल्यूएफआई द्वारा घोषित मानदंडों पर खरी नहीं उतरी, एशियन गेम्स 2026 के सिलेक्सन ट्रायल में रही अयोग्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन बार की ओलंपियन विनेश फोगट को रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (WFI) द्वारा घोषित मानदंडों के अनुसार एशियन गेम्स 2026 के सिलेक्शन ट्रायल के लिए बुधवार को अयोग्य घोषित कर दिया गया। फेडरेशन के अनुसार,सेलेक्शन ट्रायल के लिए पात्रता तीन घरेलू प्रतियोगिताओं - 2025 सीनियर नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप, 2026 सीनियर फेडरेशन कप और अंडर-20 नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप के पदक विजेताओं तक सीमित है।

सीनियर नेशनल चैंपियनशिप दिसंबर में आयोजित की गई थी, जबकि फेडरेशन कप फरवरी में हुआ था। विनेश फोगाट ने इनमें से किसी भी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है, क्योंकि वह पेरिस 2024 ओलंपिक के बाद से प्रतिस्पर्धा से दूर रही हैं

और इसलिए पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करती हैं। उन्होंने ग्रीष्मकालीन खेलों के तुरंत बाद रेसलिंग से संन्यास ले लिया था, लेकिन पिछले साल दिसंबर में विनेश ने कुश्ती में फिर से वापसी की घोषणा की थी।

मैदान से दूर रहने के दौरान उन्होंने एक व्यक्तिगत उपलब्धि भी हासिल की, क्योंकि वह पिछले साल जुलाई में माँ बनी थीं। 31 वर्षीय भारतीय पहलवान ने हाल ही में उत्तर प्रदेश में 10 से 12 मई तक होने वाले नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट को अपनी वापसी के लिए चुना था। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट के परिणाम चयन ट्रायल में पात्रता के लिए मान्य नहीं होंगे। फेडरेशन ने एशियन गेम्स के सेलेक्शन ट्रायल इसी महीने के अंत में दो दिनों में आयोजित करने का फैसला किया है। महिला कुश्ती के चयन ट्रायल 30 मई को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में होंगे, जबकि पुरुषों की फ्रीस्टाइल और ग्रीको-रोमन प्रतियोगिताएं 31 मई को लखनऊ के क्षेत्रीय केंद्र में होंगी।

ये ट्रायल सभी 18 ओलंपिक भार वर्गों में आयोजित किए जाएंगे, जिनमें से प्रत्येक में तीन डिसिप्लिन में छह कैटेगरी होंगी। फेडरेशन ने यह भी स्पष्ट किया है कि चयन प्रक्रिया में पिछले प्रदर्शनों पर विचार नहीं किया जाएगा, केवल सेलेक्शन ट्रायल के रिजल्ट पर ही ध्यान दिया जाएगा। एशियन गेम्स 2026 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान में होंगे।

नेमार ने टीनेजर रोबिन्हो जूनियर से माफी मांगी, थप्पड़ मारने का था आरोप

रियो डी जेनेरो । स्टार फुटबॉलर नेमार ने कहा कि उन्होंने 'हद पार कर दी' और उन्होंने अपने सैंटोस टीम-साथी रोबिन्हो जूनियर से ट्रेनिंग सेशन के दौरान उस टीनेजर को थप्पड़ मारने के लिए माफी मांगी। ब्राजील के इस क्लब ने जांच शुरू कर दी थी, जब 18 साल के फॉरवर्ड ने कथित तौर पर नेमार पर रविवार को 'चेहरे पर जोरदार थप्पड़' मारने का आरोप लगाया था। यह घटना तब हुई थी जब वह 34 साल के नेमार को ड्रिबल करते हुए पीछे छोड़ गए थे। अब उन्होंने गलतफहमी दूर कर ली है और मंगलवार को कहा कि रे पेले ट्रेनिंग सेंटर में हुई यह घटना 'पूरी तरह सुलझ गई है'। नेमार ने कहा, 'अगर आप मीडिया के सामने माफी चाहते हैं, तो यह रही।' नेमार ब्राजील के अब तक के सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं जिनके नाम 79 गोल हैं। बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व फॉरवर्ड ने मंगलवार को कोपा सुदामेरिकाना में रिकोलेटा के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ रहे मैच में सैंटोस के लिए गोल करने का जश्न मनाते हुए सब्स्टीट्यूट रोबिन्हो जूनियर को गले लगाया। रोबिन्हो जूनियर उनके पूर्व ब्राजील टीम-साथी और मैनचेस्टर सिटी तथा रियल मैड्रिड के पूर्व अटैकर रोबिन्हो के बेटे हैं। नेमार ने कहा, 'हां, मैंने जिस तरह से प्रतिक्रिया दी उसमें मैंने थोड़ी ज्यादा ही प्रतिक्रिया दे दी। यह अलग तरह से हो सकता था, लेकिन आखिर में मैंने अपना आपा खो दिया। हर कोई गलतियां करता है। यह मेरी गलती थी, उसकी गलती थी; मैंने थोड़ी बड़ी गलती की। वह एक ऐसा लड़का है जिसे मैं बहुत पसंद करता हूं जिसके लिए मेरे मन में खास लगाव है। फुटबॉल में ऐसा होता रहता है - आप अपने दोस्त, अपने भाई से बहस कर लेते हैं। यही फुटबॉल है, यह खेल का ही एक हिस्सा है।' रोबिन्हो जूनियर ने कहा कि नेमार को 'तुरंत एहसास हो गया था कि वह बहुत आगे निकल गए हैं' और उन्होंने इस कहा-सुनी के लिए 'कई बार' माफी मांगी। उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसी स्थिति थी जिसने मुझे परेशान कर दिया, क्योंकि बचपन से ही वह मेरे आदर्श रहे हैं। हमारे आस-पास के लोग बहुत सी ऐसी बातें कहते हैं जो सच नहीं होतीं, और यह देखकर दुख होता है कि बात इस हद तक बढ़ गई। लेकिन मैं ठीक हूँ, मैं उन्हें बहुत पसंद करता हूँ। हमने आपस में बात कर ली है और सब कुछ सुलझ गया है।'

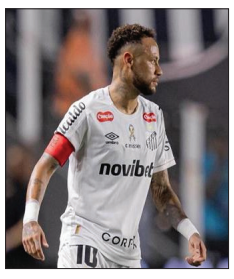

खराब फीलिडंग के कारण सनराइजर्स से हारे : श्रेयस अय्यर

हैदराबाद । पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुई हार पर निराशा जताते हुए इसके लिए खराब फीलिडंग को जिम्मेदार बताया है। पंजाब की टीम को इस मुकाबले में 33 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तय ओवरों में 4 विकेट पर 235 रन बनाये। इस दौरान पंजाब के खिलाड़ियों ने तीन आसान कैच गिरा दिये। वहीं एक स्टंपिंग का अवसर भी टीम ने खो दिया। श्रेयस के अनुसार अगर इन अवसरों का लाभी उठाया जाता तो 30 से 40 रन कम बनते और मैच का परिणाम कुछ और होता। मैच के बाद अय्यर ने कहा, हमने खेल की शुरुआत में ही कई कैच गिरा दिये। अगर ऐसा नहीं होता से सनराइजर्स 30 से 40 रन कम बना पाती। कप्तान ने कहा कि टीम की गेंदबाजी और बल्लेबाजी भी इस मैच में उम्मीद के अनुसार नहीं रही। वहीं सनराइजर्स ने अपने प्रदर्शन से साबित कर दिया कि मैच किस प्रकार अपने नाम किया जा सकता है। इस मैच में स्पिनर यजुवेन्द्र ने अच्छी गेंदबाजी की पर उन्हें एक ही विकेट मिल पाया क्योंकि उनके एक ही ओवर में एक कैच और स्टंपिंग का अवसर निकल गया। इस सत्र में चहल की गेंदों पर कुल 16 कैच उछले पर 8 कैच ही पकड़े जा सके। अय्यर ने चहल की प्रशंसा करते हुए कहा, उसने बिना किसी डर के आक्रामक गेंदबाजी की। उससे अपनी गेंदबाजी से दबाव भी बनाया पर हम उसका लाभ नहीं उठा पाये। इस मैच में पंजाब के बल्लेबाज भी उम्मीद के अनुसार नहीं खेल पाये। युवा बल्लेबाज कूपर कोनोली ही टिक पाये। कोनोली ने 59 गेंदों में नाबाद 107 रन बनाए। इस मैच के साथ ही सत्र में पंजाब किंग्स की लगातार तीसरी हार है। टीम अब पांच दिन के आराम के बाद 11 मई को दिल्ली कैपिल्स से खेलेगी। श्रेयस ने कहा है कि अब हमें बचे हुए मैच में अपनी गलतियां सुधारनी होंगी।

सबालेंका बोली, खिलाड़ियों की मांगे नहीं मानी तो टूर्नामेंटों का बहिष्कार तक करेंगे

रोम (एजेंसी)। विश्व भर के स्टार टेनिस खिलाड़ी अब टूर्नामेंटों में राशि बढ़ाये जाने की मांग पर अड़ गये हैं। इन खिलाड़ियों ने आगाह किया है कि अगर उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो वे ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों का बहिष्कार करने के लिए भी मजबूर हो जाएंगे। बेलारुस की महिला टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने कहा है कि ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में बड़ी पुरस्कार राशि पाना खिलाड़ियों का अधिकार है और अगर ये नहीं मिलती है तो इसके लिए आंदोलन तक किया जाएगा। इटैलियन ओपन के दौरान उन्होंने साफ कर दिया कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो खिलाड़ी टूर्नामेंट का बहिष्कार तक कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के बिना कोई टूर्नामेंट या मनोरंजन संभव नहीं है, और इसलिए वे निश्चित रूप से अधिक राशि के अधिकारी हैं।

सबालेंका ने यह भी कहा कि किसी समय हम बहिष्कार भी करेंगे। अपने अधिकारों के लिए लड़ने का यही एकमात्र तरीका है। उन्होंने लड़कियों की एकजुटता पर भरोसा जताया, यह कहते हुए कि हम लड़कियां आसानी से एक साथ आ सकती हैं और इसके लिए जा सकती हैं। उनका मानना है कि खिलाड़ियों के साथ कुछ चीजें बहुत गलत हैं और यह स्थिति अपने शीर्ष स्तर पर पहुंचने वाली है।

गौरततब है कि पिछले साल लगभग सभी बड़े खिलाड़ियों ने चार ग्रैंड स्लैम आयोजकों को दो पत्र भेजे थे, जिसमें पुरस्कार राशि बढ़ाने, संन्यास के बाद और मातृत्व के अवसर पर बेहतर सुविधाओं के साथ-साथ खिलाड़ियों के कल्याण के लिए भुगतान की मांग की गई थी। इन पत्रों में टूर्नामेंट के राजस्व में 22 प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य रखा गया था, जो मेजर टूर्नामेंट को एटीपी मेन्स टूर और डब्ल्यूटीए टूर द्वारा चलाए जाने वाले नौ संयुक्त 1000-स्तरीय आयोजनों के बराबर लाता है।

हालांकि, महिला एकल में चार बार की फ्रेंच ओपन विजेता पोलैंड की इगा स्वियाटेक ने बहिष्कार के फैसले का सही नहीं बताया। स्वियाटेक ने कहा, सबसे जरूरी बात गवर्निंग बॉडीज के साथ सही संवाद और चर्चा है। हमारे पास अपनी बात रखने की जगह होनी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि फ्रेंच ओपन से पहले इस तरह की बैठक का मौका मिलेगा और उसमें समाधान निकलेगा। खिलाड़ियों ने हाल ही में फ्रेंच ओपन द्वारा पुरस्कार राशि में 9.5 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा को पर्याप्त नहीं करार दिया है।

ईरान की फुटबॉल टीम फीफा विश्वकप शुरु होने दो सप्ताह पहले पहुंच सकती है अमेरिका

तेहरान । ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच आमिर घालेनोई ने कहा कि उनकी फीफा विश्वकप शुरू होने से दो सप्ताह पहले अमेरिका पहुंचने की योजना है। ईरानी मीडिया ने यह जानकारी दी। घालेनोई ने कहा कि योजना टीम को विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान को अभी भी दो या तीन अच्छे अभ्यास मैच कराने की जरूरत है। तय कार्यक्रम के मुताबिक, टीम 16 मई को तुर्किये के लिए रवाना होगी और वहां दो सप्ताह रहेगी। ईरान फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष मेहदी ताज ने कहा कि वे विश्वकप में हिस्सा लेने के बारे में सबसे अच्छा फैसला लेने के लिए काम कर रहे हैं। अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा की मेजबान में 11 जून से 19 जुलाई होने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट में ईरान को ग्रुप जी में रखा गया है। टीम 15 जून को लॉस एंजिल्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, उसके बाद 21 जून को उसी जगह पर बेल्जियम के खिलाफ मैच खेलेगी। ईरान का आखिरी ग्रुप मैच 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ होगा।

तेलंगाना में PM मोदी की 'महा-रैली' से पहले BJP का शक्ति प्रदर्शन: 8,000 करोड़ की सौगात का दावा, विपक्ष पर तीखा प्रहार

स्वर्ण खबर डेस्क

हैदराबाद। तेलंगाना में राजनीतिक वर्चस्व की जंग अब तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने राज्य में अपनी पैठ को और मजबूत करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। गुरुवार को तारनाका मंडल में आयोजित एक भित्ति चित्रकला (Wall Painting) कार्यक्रम के जरिए बीजेपी ने 10 मई को परेड ग्राउंड में होने वाली प्रधानमंत्री की विशाल जनसभा का जमीनी शंखनाद कर दिया है। इस दौरान बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने जहाँ एक ओर विकास के बड़े वादों का कार्ड खेला,

वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय विपक्ष पर सीधा और तीखा हमला बोला।
इस सियासी घमासान और बयानबाजी को दो प्रमुख नजरियों से देखा जा सकता है:तारनाका मंडल अध्यक्ष बंदारू उपेंद्र यादव द्वारा आयोजित इस अभियान में बोलते हुए एन. रामचंद्र राव ने राज्य के विकास और राजनीतिक माहौल पर बड़ा दावा किया: 8 हजार करोड़ का मेगा पैकेज: राव ने ऐलान किया कि प्रधानमंत्री की आगामी जनसभा राज्य के लिए ऐतिहासिक होगी। उन्होंने दावा किया कि इस रैली में तेलंगाना के विकास को रफ्तार देने के लिए 8,000 करोड़ रुपये की भारी-भरकम धनराशि की घोषणा की जाएगी।
तेलंगाना में 'कमल' की लहर: उन्होंने विश्वास जताया कि पूरे देश की तरह तेलंगाना में भी राजनीतिक हवा पूरी तरह से बीजेपी के अनुकूल है और जनता पार्टी के विजन का समर्थन कर रही है।महा-रैली का आह्वान: उन्होंने पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और आम जनता से अपील की

तेलंगाना में 'ड्रग्स' पर सीवी आनंद का कड़ा प्रहार: तस्करों पर लगेगा PD एक्ट, जब्त होगी संपत्ति

स्वर्ण खबर डेस्क

हैदराबाद,(एम.एस.तिवारी)।तेलंगाना पुलिस ने राज्य को नशामुक्त बनाने के लिए अब आर-पार की लड़ाई का शंखनाद कर दिया है। राज्य के नए पुलिस महानिदेशक (DGP) सीवी आनंद ने गुरुवार को पदभार संभालने के बाद पहली बार 'ईगल फोर्स' की समीक्षा की और स्पष्ट कर दिया कि ड्रग्स नेटवर्क को नेस्तनाबूद करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। डीजीपी ने पुलिस विभाग के 35 अलग-अलग विभागों की समीक्षा करते हुए ड्रग माफियाओं, तस्करों और लापरवाही बरतने वाले संस्थानों के लिए एक कड़ा संदेश जारी किया है।इस पूरी

रणनीति को पुलिस के एक्शन प्लान और संस्थानों की जवाबदेही (दोनों पक्षों) के रूप में नीचे समझा जा सकता है:
पुलिस का 'ज़ीरो टॉलरेंस' एक्शन प्लान: तस्करों की अब खैर नहीं
डीजीपी ने स्पष्ट किया है कि पुलिस अब केवल जब्ती तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि जड़ पर प्रहार करेगी: ड्रग्स के मामलों में बार-बार पकड़े जाने वाले आदतन अपराधियों पर 'प्रिवेंटिव डिटेंशन' (PD) एक्ट जैसी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। केवल गिरफ्तारी नहीं, बल्कि ड्रग्स सप्लायर्स की कमर तोड़ने के लिए उनकी संपत्तियों को भी कुर्क (जब्त) किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चलाए गए अभियानों में मिली सफलता का जिक्र करते हुए डीजीपी ने कहा कि पुलिस का फोकस अब नशीले पदार्थों की 'सप्लाई' (आपूर्ति) और 'डिमांड' (मांग) दोनों को खत्म करने पर है।
जिला स्तर पर कसावट: समीक्षा में यह बात सामने आई कि जिलों में अधिकारी ड्रग्स मामलों की जांच में ढिलाई बरत रहे हैं। अब जिला आयुक्तों और एसपी की जवाबदेही तय होगी। 'ईगल फोर्स' के जरिए जिला अधिकारियों को इन मामलों की जांच की विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी।
फोर्स की कमी होगी दूर: ईगल थानों में कर्मचारियों की कमी को दूर करने और पांचों नारकोटिक्स पुलिस स्टेशनों को सुचारू रूप से चलाने के लिए नए कदम उठाए जाएंगे। नागरिक बल की भी मदद ली जाएगी।

तेलंगाना के परिवहन मॉडल का मुरीद हुआ केंद्र, नितिन गडकरी ने थपथपाई राज्य मंत्री पोन्नम प्रभाकर की पीठ

स्वर्ण खबर डेस्क

हैदराबाद (एम.एस.तिवारी)। राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर जब केंद्र और राज्य सरकारें विकास के लिए एक साथ आती हैं, तो उसका सीधा फायदा जनता को होता है। इसका एक बेहतरीन उदाहरण गुरुवार को तब देखने को मिला, जब केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने तेलंगाना परिवहन विभाग के शानदार प्रदर्शन की खुलकर सराहना की। उन्होंने राज्य के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर को एक विशेष पत्र लिखकर उनके नेतृत्व और जनहितकारी फैसलों को सराहा है।

केंद्र का रुख: इन 5 बड़े फैसलों पर गडकरी ने जताई खुशी

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अपने पत्र में तेलंगाना सरकार द्वारा उठाए गए उन कदमों की विशेष रूप से तारीफ की है, जो पूरे देश के लिए एक रोल मॉडल बन सकते हैं:
चेक पोस्ट मुक्त व्यवस्था: राज्य की सीमाओं पर लगने वाले परिवहन चेक पोस्ट को पूरी तरह से समाप्त करने के साहसिक निर्णय की गडकरी ने सराहना की है। इस कदम से न केवल भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है, बल्कि माल ढुलाई भी तेज हुई है।
डिजिटल गवर्नेंस का बेहतरीन उपयोग: 'वाहन' और 'सारथी' पोर्टल के सफल एकीकरण पर केंद्र ने गहरा संतोष व्यक्त किया है।
हाई-टेक ड्राइविंग टेस्ट: अयोग्य चालकों को सड़क पर आने से रोकने के लिए राज्य में शुरू किए गए 'स्वचालित ड्राइविंग परीक्षण ट्रैक' की विशेष प्रशंसा की गई।
सड़क सुरक्षा में अग्रणी: नितिन गडकरी ने स्पष्ट किया कि तेलंगाना सड़क सुरक्षा उपायों को जमीनी स्तर पर लागू करने में देश के अग्रणी राज्यों में से एक बनकर उभरा है। यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए परिवहन विभाग द्वारा चलाए जा रहे।

हैदराबाद में 'जय श्री राम' पर सियासी घमासान: विधायक राजा सिंह का मंत्री सुरेखा पर तीखा प्रहार, CM रेवंत को दी KCRवाली चेतावनी

मंत्री कोंडा सुरेखा के 'क्या ऊपर से धन बरसेगा?' वाले बयान पर भड़के गोशामहल विधायक; ओल्ड सिटी में MIM पर मंदिर की जमीनें कब्जाने का लगाया आरोप, कहा- 'मंत्री को बर्खास्त करो वरना सरकार डूब जाएगी

स्वर्ण खबर डेस्क

हैदराबाद, (एम. एस. तिवारी)। तेलंगाना की राजनीति में 'जय श्री राम' के उद्घोष और हिंदू धार्मिक संपत्तियों की सुरक्षा को लेकर एक नया और बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। राज्य की मंत्री कोंडा सुरेखा द्वारा भगवान राम के नारे पर की गई टिप्पणी के बाद गोशामहल से भाजपा विधायक टी. राजा सिंह ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। गुरुवार को हैदराबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राजा सिंह ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को सीधी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उन्होंने अपनी मंत्री से इस्तीफा नहीं लिया, तो उनकी सरकार का हश्र भी केसीआर (KCR) जैसा ही होगा।

इस पूरे राजनीतिक बवाल को दो प्रमुख बिंदुओं (विवाद की जड़ और उस पर पलटवार) के रूप में नीचे समझा जा सकता है:

मंत्री कोंडा सुरेखा का बयान और सरकार का रुख

यह पूरा विवाद मंत्री कोंडा सुरेखा के एक कथित बयान से शुरू हुआ है, जिसने सीधे तौर पर धार्मिक भावनाओं और राजनीतिक बहस को हवा दे दी है:

'जय श्री राम' पर टिप्पणी: मंत्री कोंडा सुरेखा ने 'जय श्री राम' के नारे पर तंज कसते हुए कथित तौर पर कहा था कि क्या केवल 'जय श्री राम' जपने से ऊपर से धन बरसने लगेगा?
धार्मिक विभाग की कार्यप्रणाली: इस बयान ने इसलिए भी तूल पकड़ा है क्योंकि कोंडा सुरेखा सरकार में अहम पदों पर हैं। विपक्ष का आरोप है कि मौजूदा रेवंत रेड्डी सरकार का ध्यान मंदिरों के विकास पर नहीं है, बल्कि यह विभाग केवल खानापूर्ति कर रहा है।

राजा सिंह का आक्रामक प्रहार और गंभीर आरोप

मंत्री के इस बयान पर गोशामहल विधायक राजा सिंह ने बेहद आक्रामक रुख अख्तियार करते हुए सरकार और प्रशासन पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं:
'राम' की शक्ति का अहसास: राजा सिंह ने मंत्री के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि 'जय श्री राम' का अर्थ है कि 'पूरा पहाड़ पूरी शक्ति के साथ आ रहा है।' उन्होंने चेतावनी दी कि जो कोई भी भगवान राम के नाम का विरोध करने की जुर्रत करेगा, वह राजनीतिक रूप से 'उड़' जाएगा।
सीएम रेवंत को ABVP के दिनों की याद दिलाई: राजा सिंह ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर तंज कसते हुए कहा कि रेवंत खुद अपने 'एबीवीपी' के दिनों में 'जय श्री राम' का नारा लगाया करते थे। उन्होंने सवाल किया कि क्या सीएम ने अपनी मंत्री को इस उद्घोष का महत्व नहीं सिखाया?
स्ढ्ढरूऔर अधिकारियों पर मिलीभगत का आरोप: विधायक ने एक बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पुराने शहर में एमआईएम (के नेताओं ने भगवान की जमीनों (मंदिर की संपत्तियों) पर अवैध कब्जा कर लिया है। उन्होंने बंदोबस्ती विभाग के अधिकारियों पर कमीशन खाने और भ्रष्ट नेताओं के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री को अल्टीमेटम:

राजा सिंह ने सीएम रेवंत रेड्डी से तुरंत कोंडा सुरेखा को बर्खास्त करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर सीएम ने अपनी मंत्री से इस्तीफा नहीं लिया, तो जिस तरह पिछली केसीआर सरकार सत्ता से बेदखल हुई थी, उसी तरह यह सरकार भी डूब जाएगी।

आम या 'कैंसर' का पैकेट? हैदराबाद में मुनाफाखोरों का 'मीठा जहर', चंद रुपयों के लिए लोगों की जान से खिलवाड़

सुप्रीम कोर्ट के सख्त बैन के बावजूद धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहा 'कैल्शियम कार्बाइड'; डॉक्टरों ने दी नर्वस सिस्टम डैमेज होने की चेतावनी, फूड सेफ्टी विभाग से ताबड़तोड़ छापेमारी की उठी मांग

स्वर्ण खबर डेस्क

हैदराबाद,(एम.एस.तिवारी)। गर्मियों का मौसम आते ही फलों के राजा 'आम' की मांग आसमान छूने लगती है। लेकिन, क्या आप जो पीले और रसीले आम बड़े चाव से खा रहे हैं, वे सच में प्राकृतिक हैं या उनमें मौत का केमिकल घुला है? हैदराबाद के सिकंदराबाद, तिरुमलगीरी, अलवाल, लाल बाजार और कारखाना जैसे इलाकों में इन दिनों केमिकल से पकाए गए आमों का काला कारोबार जोरों पर है।इस पूरे मामले को मुनाफाखोरों की लालच और जनता के स्वास्थ्य पर मंडराते खतरे के दो पहलुओं से समझा जा सकता है:

व्यापारियों का लालच और 'केमिकल' का खेल

बाजार में सबसे पहले फल उतारकर मोटा मुनाफा कमाने की होड़ में व्यापारी लोगों की जान के साथ क्रूर मजाक कर रहे हैं।

कच्चे फलों की तुड़ाई: पेड़ों पर आम पकने से पहले ही उन्हें तोड़ लिया जाता है।

कैल्शियम कार्बाइड का 'घातक' प्रयोग: इन हरे आमों को रातों-रात पीला और पका हुआ दिखाने के लिए 'कैल्शियम कार्बाइड' का इस्तेमाल किया जाता है।

कैसे करता है काम? जब कार्बाइड नमी के संपर्क में आता है, तो 'एसिटिलीन' (Acetylene) नाम की गैस निकलती है, जो फल को कृत्रिम रूप से तुरंत पका देती है। इस प्रक्रिया से फल पीला तो हो जाता है, लेकिन उसका प्राकृतिक स्वाद और मिठास खत्म हो जाती है।

सेहत का महासंकट और कानून की अनदेखी

मुनाफाखोरों का यह खेल सीधे तौर पर एक गंभीर जन-स्वास्थ्य संकट को जन्म दे रहा है, जिसे लेकर चिकित्सा विशेषज्ञों ने रेड अलर्ट जारी किया है।

डॉक्टर की गंभीर चेतावनी: अलवाल पीएचसी के डॉ. श्रीकांत ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि कार्बाइड से पके फल खाना जहर खाने के बराबर है। कार्बाइड में आर्सेनिक और फास्फोरस जैसी अशुद्धियां होती हैं।

कैंसर और ब्रेन डैमेज का खतरा: कार्बाइड के इस्तेमाल से कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का सीधा

खतरा रहता है। इससे निकलने वाली एसिटिलीन गैस हमारे नर्वस सिस्टम (तंत्रिका तंत्र) को बुरी तरह डैमेज करती है, जिससे मस्तिष्क तक ऑक्सीजन की सप्लाई बाधित हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट का बैन बेअसर: खाद्य मिलावट निवारण अधिनियम के तहत फलों को कार्बाइड से पकाना एक संज्ञेय अपराध है। खुद देश के सर्वोच्च न्यायालय ने इसके इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया हुआ है, लेकिन धरातल पर कानून की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

समाधान: प्रशासन की जिम्मेदारी और ग्राहकों के लिए 'अलर्ट'

इस जहर को लोगों की थाली तक पहुंचने से रोकने के लिए कई विभागों को मिलकर युद्ध स्तर पर काम करने की जरूरत है:

ताबड़तोड़ छापेमारी: खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को फल बाजारों और गोदामों में औचक निरीक्षण करना चाहिए।

लाइसेंस रद्द हों: जो भी व्यापारी कार्बाइड बेचते या उपयोग करते पाए जाएं, उनके लाइसेंस तुरंत रद्द कर सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। कृषि और विपण विभाग को कार्बाइड की बिक्री पर पूर्ण रोक सुनिश्चित करनी चाहिए।

उपभोक्ता रहें सावधान: आम जनता को फल खरीदते समय सावधानी बरतनी चाहिए। यदि आम बाहर से एकदम पीला लेकिन स्वाद में फीका या अजीब लगे, तो उसे खाने से बचें और तुरंत अधिकारियों से शिकायत करें। हमेशा प्राकृतिक रूप से पके फल ही खरीदें।

हैदराबाद पुलिस का बड़ा ऐलान: 1130 लावारिस वाहनों की होगी नीलामी, मालिकों को 6 महीने का आखिरी मौका!

स्वर्ण खबर डेस्क

हैदराबाद। शहर में लंबे समय से लावारिस पड़े वाहनों को लेकर हैदराबाद सिटी पुलिस ने बड़ा फैसला लिया है। पुलिस ने विभिन्न प्रकार के कुल 1130 लावारिस और बिना दावेदारी वाले वाहनों की सार्वजनिक नीलामी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस आयुक्त कार्यालय की ओर से जारी प्रेस नोट के अनुसार, यह कार्रवाई हैदराबाद महानगर पुलिस अधिनियम 2004 तथा हैदराबाद सिटी पुलिस अधिनियम की धारा 40 के तहत की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी व्यक्ति का इन वाहनों पर मालिकाना हक, वित्तीय संस्था के माध्यम से ऋण संबंधी दावा अथवा अन्य कोई अधिकार है, तो वह अगले 6 महीनों के भीतर आवेदन प्रस्तुत कर अपना

वाहन प्राप्त कर सकता है। निर्धारित अवधि के बाद सभी वाहनों की सार्वजनिक नीलामी कर दी जाएगी। वाहनों से संबंधित पूरी जानकारी एसएआर सीपीएल पुलिस ग्राउंड, पुलिस अस्पताल के पीछे, अंबरपेट स्थित नीलामी शाखा कार्यालय में उपलब्ध है। इसके अलावा जानकारी हैदराबाद पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट पर भी देखी जा सकती है। पुलिस प्रशासन ने वाहन मालिकों से अपील की है कि वे समय रहते आवश्यक दस्तावेजों के साथ संपर्क कर अपने वाहनों पर दावा प्रस्तुत करें।

AI का शातिर खेल: डिलीवरी बॉय बना 'फर्जी पुलिस अफसर, बांटने चला था 'मुख्यमंत्री' का पद!

स्वर्ण खबर डेस्क

हैदराबाद । तकनीक और विशेषकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का दायरा जितनी तेजी से बढ़ रहा है, इसके दुरुपयोग के मामले भी उतने ही हैरान करने वाले सामने आ रहे हैं। हैदराबाद में एक ऐसा ही सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहाँ एक साधारण फूड डिलीवरी बॉय ने्ढ्ढ का इस्तेमाल कर खुद को एक 'सिंघम' पुलिस अफसर के रूप में पेश किया। उसका भौकाल इतना ज्यादा था कि वह लोगों को मुख्यमंत्री तक बनवाने के दावे करने लगा। मैलार्देवपल्ली का रहने वाला अबू बकर अली असल जिंदगी में ज़ोमैटो का डिलीवरी बॉय है। लेकिन, कम समय में आसानी से पैसा कमाने और समाज में झूठा रसूख जमाने की चाहत ने उसे 'डिजिटल जालसाज' बना दिया:

AI से बनी पुलिस की वर्दी- अबू बकर ने AI तकनीक का इस्तेमाल कर बहुत ही सफाई से पुलिस की वर्दी में अपनी तस्वीरें और वीडियो बनाए।

इंस्टाग्राम पर जमाया 'भौकाल': इन फर्जी वीडियो को इंस्टाग्राम पर लगातार पोस्ट कर उसने अपने फॉलोअर्स को यह विश्वास दिलाया कि वह पुलिस विभाग में एक उच्च पदस्थ अधिकारी है।

मुख्यमंत्री बनाने का हास्यास्पद दावा: उसकी हिम्मत इस कदर बढ़ गई कि उसने सोशल मीडिया पर दावा करना शुरू कर दिया कि सरकार के शीर्ष स्तर पर उसके मजबूत संपर्क हैं। उसने यहाँ तक कह दिया कि अगर कोई चाहे तो वह अपनी पैरवी से उसे 'मुख्यमंत्री' का पद तक दिलवा सकता है।

सोशल मीडिया पर इस तरह के भ्रामक और अतिरंजित दावों ने जल्द ही असली पुलिस विभाग का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। टास्क फोर्स का सीक्रेट ऑपरेशन: राजेंद्रनगर टास्क फोर्स की टीम ने शक के आधार पर अबू बकर के सोशल मीडिया अकाउंट्स और उसकी असल जिंदगी की गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखना शुरू किया। कुछ ही दिनों की सर्विलांस में पुलिस ने यह पुख्ता कर लिया कि यह कोई अधिकारी नहीं, बल्कि एक शातिर ठग है।

जगन राज के 35 हजार करोड़ के 'शराब घोटाले' में बड़ा एक्शन: आरोपी ईश्वर किरण रेड्डी को हाईकोर्ट से तगड़ा झटका

सीआईडी जांच से बचकर दुबई भागे आरोपी (A9) की अग्रिम जमानत याचिका खारिज; कोर्ट ने दिया निचली अदालत में पेश होने का सख्त आदेश, सरकार ने कहा- 'घोषित अपराधी' बनाने की चल रही है

स्वर्ण खबर डेस्क

अमरावती ।आंध्र प्रदेश में पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी के शासनकाल के दौरान हुए कथित 35,000 करोड़ रुपये के बहुचर्चित शराब घोटाले में सीआईडी (CID) का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। शराब परिवहन निविदाओं (Tenders) में भारी अनियमितताओं से जुड़े इस महाघोटाले में उच्च न्यायालय (High Court) ने आरोपी नंबर 9 ईश्वर किरण कुमार रेड्डी को करारा झटका दिया है। कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका सिरे से खारिज कर दी है। अदालत में जमानत को लेकर दोनों पक्षों के बीच जोरदार जिरह हुई, जिसे नीचे विस्तार से समझा जा सकता है: ष्ट्व बचाव पक्ष (याचिकाकर्ता) की दलील: 'गिरफ्तारी से मिले छूट, जांच में करेंगे पूरा सहयोग 'आरोपी ईश्वर किरण कुमार रेड्डी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीराम ने अदालत में अग्रिम जमानत के पक्ष में दलीलें

रखीं:विदेश में व्यापार: बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि उनके मुवक्किल जांच से भाग नहीं रहे हैं, बल्कि वे पूरी तरह से अपने 'व्यापारिक उद्देश्यों' के चलते इस समय विदेश में हैं।जांच में सहयोग का वादा: वकील ने अदालत को आश्वस्त किया कि याचिकाकर्ता सीआईडी की जांच में हर तरह से सहयोग करने के लिए तैयार है, इसलिए उन्हें गिरफ्तारी से सुरक्षा (अग्रिम जमानत) प्रदान की जाए।ष्ट्व सरकार का पलटवार: 'केस दर्ज होते ही दुबई भागा आरोपी, अन्य भी ले रहे विदेशों में शरण 'सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता आदिनारायण राव ने बचाव पक्ष की दलीलों का कड़ा विरोध करते हुए गंभीर तथ्य सामने रखे: जानबूझकर भागने का आरोप: सरकारी वकील ने कोर्ट का ध्यान इस ओर खींचा कि आरोपी किसी सामान्य व्यापारिक काम से विदेश नहीं गया है, बल्कि मामला दर्ज होने के ठीक बाद जांच से बचने के लिए वह दुबई भाग गया है।

विदेशों में 'शरणगाह': उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सिर्फ यही नहीं, बल्कि इस हजारों करोड़ के शराब घोटाले के कई अन्य आरोपी भी विदेशों में छिपकर शरण लिए हुए हैं।'भगोड़ा' घोषित करने की तैयारी: सरकार ने अदालत को अहम जानकारी दी कि आरोपी ईश्वर किरण को 'घोषित अपराधी' (Proclaimed Offender)घोषित करने की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और इससे जुड़ी याचिका निचली अदालत में लंबित है।

नहीं मिली कोई राहत दोनों पक्षों की गंभीर दलीलें सुनने के बाद, उच्च न्यायालय ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया। इतने बड़े आर्थिक अपराध और आरोपी के विदेश में मौजूद होने की स्थिति को देखते हुए कोर्ट ने अग्रिम जमानत देने से साफ इनकार कर दिया।अदालत ने न केवल जमानत याचिका खारिज की, बल्कि ईश्वर किरण कुमार रेड्डी को शराब परिवहन मामले की जांच में सहयोग करने और तत्काल प्रभाव से निचली अदालत के समक्ष पेश होने है।

'टॉक्सिक' जैसी सिनेमाई दुनिया पहले कभी नहीं देखी

'कांतारा: ए लीजेंड चैप्टर 1' की सफलता का जश्न मना रही अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत अब अपनी अगली बड़ी फिल्म 'टॉक्सिक: अ फेरीटेल फॉर ग्रो-अप्स' को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रही हैं। हाल ही में रुक्मिणी ने फिल्म के भव्य स्केल और अनोखी दुनिया के बारे में खुलकर बात की। रुक्मिणी वसंत ने बताया कि फिल्म का स्केल इतना बड़ा और प्रभावशाली है कि उन्होंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं देखा। उन्होंने कहा, 'इसका स्केल निश्चित रूप से ऐसा है जैसा मैंने अब तक कभी नहीं देखा। फिल्म के लिए बनाई जा रही सिनेमाई दुनिया पूरी तरह फ्रेश और बेहद भव्य है। निर्देशक गीतू मोहनदास और अभिनेता यश द्वारा तैयार की जा रही इस दुनिया को देखकर उन्हें बहुत खुशी हो रही है। रुक्मिणी ने बताया, 'मुझे लगता है कि हमारी डायरेक्टर गीतू मोहनदास और यश जो फिल्म तैयार कर रहे हैं, वह इतनी विशाल और नई है कि यह मुझे सचमुच कुछ अनोखा और अलग लगता है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। मुझे यह देखने के लिए भी उत्सुकता है कि दर्शक इस नई दुनिया पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।'

उन्होंने फिल्म पर बात करते हुए कहा कि वह खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इस प्रोजेक्ट में काम करने का मौका मिला है। उन्होंने बताया कि 4 जून को रिलीज होने वाली यह फिल्म उन्हें सबसे ज्यादा रोमांचित कर रही है। यह फिल्म यश और वेंकट के. नारायण की प्रोडक्शन कंपनियों केवीएन प्रोडक्शंस और मॉनस्टर माइंड क्रिएंशंस के बैनर तले बन रही है। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं।

'टॉक्सिक' हिंदी, तेलुगु के साथ तमिल, मलयालम समेत कई भारतीय और अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में डब किया जाएगा, जिससे यह पूरे देश के साथ-साथ विदेशों में भी दर्शकों तक पहुंच सकेगी। रुक्मिणी वसंत इस फिल्म के अलावा जूनियर एनटीआर की अगली फिल्म में भी काम कर रही हैं। उनके पास कुछ अनऑनाउंस्ड प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिनकी घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है।

उर्वशी रौतेला की वापसी से और दमदार होगा
इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2

क्राइम और सस्पेंस से भरपूर वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' एक बार फिर दर्शकों के बीच लौटने जा रही है। मेकर्स ने इसके दूसरे सीजन का ऐलान कर दिया है और इस बार कहानी पहले से ज्यादा रोमांच से भरी होगी। सीरीज में एक बार फिर उर्वशी रौतेला अहम किरदार निभाती नजर आएंगी। वह इस रोल को अपने करियर के सबसे खास किरदारों में से एक मानती हैं। उर्वशी रौतेला ने कहा, ''मेरे लिए 'इंस्पेक्टर अविनाश' सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर रहा है। मेरा किरदार असली जिंदगी से प्रेरित है, इसलिए इसे मैंने जिम्मेदारी के साथ निभाने की कोशिश की है। निर्देशक नीरज पाठक की लिखी स्क्रिप्ट ने मुझपर काफी प्रभाव डाला है। जैसे ही मैंने कहानी पढ़ी, मुझे महसूस हुआ कि यह किरदार सिर्फ अभिनय करने का मौका नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है।'' उन्होंने कहा, ''सीरीज का दूसरा सीजन अपराध और पुलिस की दुनिया को गहराई से दिखाएगा। हालांकि, इस बार कहानी सिर्फ अपराध और जांच तक सीमित नहीं रहेगी। इसमें उन परिवारों की जिंदगी को भी दिखाया जाएगा, जो पुलिस अधिकारियों के साथ हर मुश्किल दौर में खड़े रहते हैं। मेरा किरदार इसी भावनात्मक पक्ष को सामने लाएगा। सीरीज यह दिखाने की कोशिश करेगी कि एक पुलिस अधिकारी की नौकरी सिर्फ उसी इंसान को नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को प्रभावित करती है। उनके परिवारों को भी डर, तनाव और त्याग के साथ जीना पड़ता है।''

अपने किरदार को असली बनाने के लिए उर्वशी ने काफी मेहनत की। उन्होंने बताया, ''तैयारी के दौरान मैं असली इंस्पेक्टर अविनाश मिश्रा की पत्नी से मिलीं। मुझे उनकी सादगी, धैर्य और मानसिक मजबूती ने काफी प्रभावित किया। उनके साथ समय बिताने के बाद मुझे समझ आया कि पुलिस अधिकारी की पत्नी होना कितना मुश्किल होता है। बाहर से यह जिंदगी सामान्य दिख सकती है, लेकिन अंदर ही अंदर बहुत संघर्ष और चिंता छिपी होती है। इसी अनुभव ने मुझे अपने किरदार को और बेहतर तरीके से समझने में मदद की।'' उर्वशी ने कहा, ''मैंने इस किरदार के लिए करीब दो साल तक तैयारी की। छोटी-छोटी आदतों और व्यवहार को समझने की कोशिश की। बोलने का तरीका, बॉडी लैंग्वेज, चलने का अंदाज और यहां तक कि साड़ी पहनने के तरीके तक पर भी ध्यान दिया। मैं चाहती हूं कि दर्शकों को मेरा किरदार पूरी तरह असली लगे।'' उन्होंने कहा, ''यह किरदार मेरे पिछले सभी किरदारों से काफी अलग है और यही बात मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करती है। मैं हमेशा से ऐसे किरदार निभाना चाहती थीं जिनमें भावनात्मक गहराई हो।''

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े की फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' की रिलीज डेट का एलान

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अपनी आगामी फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। यह एक सोशल-पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म है। फिल्म का नाम 'द इंडिया' स्टोरी है। इसकी रिलीज डेट का एलान कर दिया गया है। फिल्म जुलाई में दर्शकों तक पहुंचेगी।

कब रिलीज होगी काजल-श्रेयस की फिल्म?

काजल और श्रेयस तलपड़े की 'द इंडिया स्टोरी' 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में खेती में रसायनों के दुरुपयोग और उनके खतरनाक प्रभावों के बारे में दर्शाया जाएगा। खासतौर पर यह फिल्म कीटनाशक खेती और उससे जुड़े घोटालों के संदर्भ में है। यह फिल्म मूल रूप से किसी एक व्यक्ति की कहानी से आगे बढ़कर एक बड़े व्यवस्थागत संकट पर केंद्रित है। यह पर्यावरणीय चिंताओं और औद्योगिक लापरवाही पर प्रकाश डालती है और साथ ही कॉर्पोरेट जवाबदेही पर भी सवाल उठाती है। स्व्हन्त प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज के सहयोग से जी स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि इसकी कहानी सागर बी. शिंदे ने लिखी और इसका निर्माण भी उन्होंने ही किया है।

लोगों को जागरुक करने की कोशिश

फिल्म की थीम के बारे में बात करते हुए प्रोड्यूसर सागर बी. शिंदे ने कहा कि यह कहानी एक ऐसी सच्चाई को दिखाती है, जो अनगिनत लोगों की जिंदगी पर असर डालती है, लेकिन अक्सर लोगों की नजर से छूट जाती है।

उन्होंने एक बयान में कहा, 'हमने यह कहानी इसलिए चुनी, क्योंकि यह एक ऐसी सच्चाई को दिखाती है जो अक्सर लोगों की नजर से छूट जाती है, लेकिन पूरे देश में अनगिनत लोगों की जिंदगी पर असर डालती है।

केमिकल्स का गलत इस्तेमाल, खासकर कीटनाशक वाली खेती में, सिर्फ पर्यावरण से जुड़ी चिंता ही नहीं है, बल्कि यह एक मानवीय संकट भी है। हम चाहते हैं कि इस फिल्म के जरिए लोगों में जागरूकता फैले और वे जवाबदेही और बदलाव के बारे में सार्थक बातचीत शुरू करें'। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में रिलीज होगी।

दिलजीत दोसांझ का अपनी जड़ों से जुड़े रहना ही उन्हें दूसरों से अलग बनाता है

मशहूर गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ भारत समेत पूरे विश्व में अपनी कला का परचम लहराते रहते हैं। उनकी लोकप्रियता का खुमार लोगों में इस कदर होता है कि कॉन्सर्ट के टिकट मिनटों में बिक जाते हैं और सोशल मीडिया पर उनकी हर अदा पर फैंस जान छिड़कते हैं। अभिनेता के प्रति दीवानगी आम जनता से लेकर मनोरंजन जगत के बड़े सितारों में भी देखने को मिलती है, जिनमें पंजाबी सिनेमा की अभिनेत्री गीता बसरा का नाम भी शामिल है। गीता बसरा ने पंजाबी आइकन अवॉर्ड्स 2026 के दौरान दिलजीत के प्रति अपनी दीवानगी जाहिर की। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि वे दिलजीत उनके 'ऑल-टाइम फेवरेट' पसंदीदा पंजाबी कलाकार हैं।

अभिनेत्री ने दिलजीत की खूबियों पर बात करते हुए कहा कि वह एक साथ कई प्रतिभाओं के धनी हैं। गीता ने कहा, 'दिलजीत सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता ही नहीं बल्कि गायक भी हैं। उनकी आवाज में वो जादू है, जो सीधे दिल तक पहुंचती है। वह एक शानदार सिंगर होने के साथ-साथ कमाल के एंटरटेनर भी हैं। सही मायनों में देखा जाए तो वह मनोरंजन का एक फुल पैकेज हैं।' गीता ने कहा कि दिलजीत ने पंजाबी संस्कृति और संगीत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दी। वे कहती हैं, 'जिस तरह से दिलजीत ने ग्लोबल लेवल पर अपना नाम बनाया है, वैसा कारनामा अब तक बहुत कम कलाकार कर पाए हैं। उन्होंने दुनिया के बड़े मंचों पर भारत का नाम रोशन किया है। मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूं।' दिलजीत दोसांझ का चुलबुला अंदाज और अपनी जड़ों से जुड़े रहना ही उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। चाहे उनकी फिल्में हों या लाइव परफॉरमेंस, उनकी एनर्जी हर किसी को झूमने पर मजबूर कर देती है।

इंडस्ट्री में मेरे लिए हमेशा जगह रहेगी

अरशद वारसी ने अपने तीन दशक लंबे करियर में हर तरह के किरदार निभाए हैं। कॉमेडी रोल से अपनी पहचान बनाने वाले अरशद ने ग्रे शेड कैरेक्टर, सीरियस कैरेक्टर और निगेटिव रोल भी अदा किए हैं। यही कारण है कि अरशद वारसी का ऐसा मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री में उनके लिए हमेशा एक जगह रहेगी। अरशद वारसी ने कॉमेडियंस या कॉमेडी करने वाले अभिनेताओं को कमतर आंके जाने पर निराशा जताते हुए ये उम्मीद जताई कि ऐसे कलाकारों को वो सम्मान मिले, जिसके वे हकदार हैं। बातचीत में अरशद वारसी ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में 30 साल सिर्फ एक संख्या नहीं है। यह एक उपलब्धि है। यह महत्वाकांक्षा से कहीं अधिक धैर्य का प्रमाण। बेशक इंडस्ट्री आपकी परीक्षा लेगा। कड़ी मेहनत तो हर कोई करता है, लेकिन अगर आप खुद पर और अपनी क्षमता पर दृढ़ विश्वास रखते हैं और धैर्य बनाए रखते हैं, तो निश्चिंत रहें कि एक दिन दूसरे भी आप पर विश्वास करेंगे। यही चीज मुझे आगे बढ़ाती रही। मैंने कभी हार नहीं मानी, न तब जब काम धीमा हो गया, न तब जब पहचान एक समान नहीं थी और न तब जब सिस्टम मेरे खिलाफ झुका मालूम हुआ। मुझे पूरा विश्वास है कि मैं एक अच्छा अभिनेता हूं और इस इंडस्ट्री में मेरे लिए जगह है। वास्तव में इस इंडस्ट्री में मेरे लिए हमेशा जगह रहेगी।

कॉमेडी को नहीं मिलता सम्मान

अपनी बेमिसाल कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर अरशद ने इस बात पर चिंता जताई कि कॉमेडी को अक्सर मुख्य भूमिकाओं से कैसे जोड़ा जाता है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर कॉमेडियन, अभिनेता या उभरते हुए कलाकार जो कॉमेडी में माहिर हैं, उनके लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम इसे कमतर आंकते हैं। यह वाकई दुखद है। मुझे नहीं लगता कि कोई कभी किसी अभिनेता से पूछेगा कि क्या अभिनय में माहिर होना मुख्य भूमिका निभाने में बाधा बनता है। या क्या रोमांस और ड्रामा में माहिर होना एक सीमा बन जाता है। तो फिर कॉमेडी में माहिर होना मुख्य भूमिका निभाने में बाधा क्यों माना जाता है?

कॉमेडी करने वाले लोगों को अक्सर सतही, गैर-गंभीर और कम बुद्धिमान समझा जाता है। जबकि असल में मजेदार होने के लिए आपको बेहद बुद्धिमान, जानकार, तेज और गंभीर होना पड़ता है। हर कोई जानता है कि कॉमेडी एक्टिंग का सबसे कठिन रूप है। ऐसे बहुत कम अभिनेता हैं जो वास्तव में कॉमेडी कर सकते हैं। कृपया उन्हें वह सम्मान दें जिसके वे हकदार हैं।

अरशद वारसी की पाइपलाइन में हैं कई बड़ी फिल्में

वर्कफ्रंट की बात करें तो अरशद वारसी पिछले साल 'जॉली एलएलबी 3' और 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में नजर आए थे। इस साल भी उनकी पाइपलाइन में कई फिल्में हैं। इनमें 'वेलकम टू द जंगल' और 'धमाल 4' जैसी फ्रेंचाइजी फिल्में शामिल हैं। इसके अलावा उनके राजकुमार हिरानी के निर्देशन में भी नजर आने की संभावना है। वहीं अरशद तिग्मांशु धूलिया की आगामी फिल्म 'घमासान' में भी नजर आएंगे, इसमें वो कुख्यात डाकू ददुआ की भूमिका में दिखाई देंगे। जबकि इन दिनों अरशद 'गोलमाल 5' की शूटिंग में व्यस्त हैं।

ओटीटी को लेकर चिंतित नहीं हैं अरशद

ओटीटी के बढ़ते वर्चस्व को लेकर अरशद वारसी का कहना है कि मुझे जिस तरह की फिल्में पसंद थीं, वैसी ही फिल्में अब ओटीटी पर बन रही हैं। मैं हमेशा से ऐसा अभिनेता रहा हूं जिसे कमर्शियल फिल्में पसंद थीं, लेकिन उनमें वास्तविकता का पुट होना चाहिए। मुझे तर्कहीन कहानी कहने का तरीका पसंद नहीं था। इसलिए मेरे लिए यह एक शानदार समय है क्योंकि जिस तरह की फिल्में मुझे पसंद थीं, वैसी ही फिल्में अब ओटीटी पर बन रही हैं। सिनेमा में आए सभी बदलावों को दिल से पसंद करता हूं। चाहे वो पहले कैसा भी रहा हो और आज जैसा भी हो। मुझे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का यह दौर अच्छा लगता है और मैं फिल्ममेकिंग के कमर्शियल और पैरलल दोनों पहलुओं की सराहना करता हूं। आखिरकार हमारी फिल्में अंतरराष्ट्रीय स्तर की दिख रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

विवेक रामास्वामी बने ओहायो गवर्नर पद के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार, केसी पुच को प्राइमरी चुनाव में हराया

कोलंबस (ओहायो), एजेंसी। भारतीय मूल के उद्यमी और डोनाल्ड ट्रंप के कट्टर समर्थक विवेक रामास्वामी ने मंगलवार को ओहायो के गवर्नर पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी का नामांकन जीत लिया है। प्राइमरी चुनाव के अनौपचारिक नतीजों के अनुसार, उन्होंने कार डिजाइनर केसी पुच को हराकर अपनी जगह पक्की की। अब वह रस्ट बेल्ट के इस महत्वपूर्ण प्रांत में रिपब्लिकन पार्टी का चेहरा होंगे। बायो-टेक एंटरप्रेन्योर विवेक रामास्वामी ने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ट्रंप के खिलाफ दावेदारी पेश की थी। हालाँकि वे प्राइमरी में हार गए थे, लेकिन उस अभियान ने उन्हें पूरे अमेरिका में एक प्रभावशाली वक्ता और नेता के रूप में पहचान दिलाई। बाद में उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप का समर्थन किया और अब वे उनके आशीर्वाद के साथ ओहायो की राजनीति में अपना भाग्य आजमा रहे हैं। आम चुनाव में रामास्वामी का सामना डेमोक्रेटिक उम्मीदवार एमी एक्टन से होगा। एमी एक्टन ओहायो की पूर्व सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशक रही हैं और वे अपनी पार्टी की ओर से निर्विरोध चुनी गई हैं। रामास्वामी ने अपने प्रचार के दौरान एमी एक्टन की स्वास्थ्य नीतियों और 'कोविड विचारधारा' पर तीखे हमले किए हैं। ओहायो के वर्तमान गवर्नर माइक डीवाइन का कार्यकाल समाप्त हो रहा है और वे नियमों के कारण दोबारा चुनाव नहीं लड़ सकते। रामास्वामी की इस जीत ने ओहायो की राजनीति में एक नए युग का संकेत दिया है। रिपब्लिकन पार्टी को उम्मीद है कि रामास्वामी की युवा ऊर्जा और ट्रंप के समर्थकों का आधार उन्हें नवंबर में होने वाले आम चुनाव में जीत दिलाएगा।

जमैका के बाद सूरीनाम पहुंचे जयशंकर, पारामारीबो में हवाई अड्डे पर हुआ गर्मजोशी से स्वागत

पारामरिबो (सूरीनाम), एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर बुधवार को सूरीनाम पहुंचे, जहां उनकी वहां के शीर्ष नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय वार्ता होने वाली है। तीन कैरिबियाई देशों की यात्रा के दूसरे चरण में उन्होंने अपने समकक्ष मेल्विन बुवा से मुलाकात की, जिन्होंने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। जयशंकर ने कहा कि वह पहली बार पारामारीबो (सूरीनाम की राजधानी) पहुंचे हैं और बातचीत को लेकर उत्साहित हैं। इस दौरे का मकसद दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूत करना है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत और सूरीनाम के बीच खास संबंध हैं, क्योंकि वहां बड़ी संख्या में गिरमिटिया समुदाय के लोग रहते हैं। ये वे भारतीय मजदूर थे जो 19वीं सदी में अनुबंध के तहत विदेश में काम करने गए थे और बाद में वहीं बस गए। इस यात्रा के बाद जयशंकर त्रिनिदाद और टोबैगो भी जाएंगे। इससे पहले वह जमैका का दौरा कर चुके हैं, जहां कई अहम समझौते हुए और सहयोग बढ़ाने पर बातचीत हुई। भारत ने जमैका को स्वास्थ्य और आपदा राहत के तहत डायलिसिस यूनिट, मछली पकड़ने वाली नावें और जीपीएस उपकरण देने का निर्णय लिया है। यह सहायता पिछले साल आए तूफान के बाद पुनर्निर्माण में मदद के लिए दी जा रही है। जयशंकर ने जमैका में कई समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए और दोनों देशों ने डिजिटल, स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट के लिए जमैका के समर्थन और आतंकवाद के खिलाफ रुख पर एकजुटता की सराहना की। इस दौरान उन्होंने प्रवासी भारतीय समुदाय से भी मुलाकात की और वहां के विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

ट्रंप का 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को कुछ समय के लिए रोकने का ऐलान, जारी रहेगी नाकेबंदी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (लोकल टाइम) को 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को कुछ समय के लिए रोकने का ऐलान किया. साथ ही ये भी स्पष्ट किया कि ईरान के पोर्ट्स पर नाकेबंदी जारी रहेगी. 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' का मकसद खाड़ी में बढ़ते क्षेत्रीय टेंशन के बीच होर्मुज स्ट्रेट में फंसे कमर्शियल जहाजों को निकलने में मदद करना है. ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि यह फैसला पाकिस्तान के अनुरोध के बाद लिया गया, जो वाशिंगटन और तेहरान और दूसरे देशों के बीच शांति समझौते के लिए मध्यस्थ के तौर पर काम कर रहा है. ट्रंप ने आगे दावा किया कि यह फैसला ईरान के खिलाफ कैंपेन के दौरान मिली बड़ी मिलिट्री बढ़त और ईरानी प्रतिनिधियों के साथ संभावित समझौते की दिशा में हुई प्रगति के बाद लिया गया. अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा कि यह रोक इसलिए लगाई गई थी ताकि यह देखा जा सके कि तेहरान और वॉशिंगटन के बीच एग्रीमेंट को फाइनल किया जा सकता है या नहीं और उस पर साइन किया जा सकता है या नहीं. पोस्ट में कहा गया, 'पाकिस्तान और दूसरे देशों की रिक्वेस्ट के आधार पर ईरान देश के खिलाफ कैंपेन के दौरान हमें जो जबरदस्त मिलिट्री कामयाबी मिली है।

स्टार्मर की मुश्किलें बढ़ीं?: स्थानीय चुनावों में भारी नुकसान का डर, पार्टी में उठे बगावत के सुर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में इस वक्त राजनीतिक घमासान मचा हुआ है। गुरुवार को होने वाले स्थानीय चुनाव ब्रिटेन के मौजूदा प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के लिए बहुत बड़ी मुसीबत बन गए हैं। इन चुनावों के नतीजे यह तय कर सकते हैं कि स्टार्मर अपनी कुर्सी पर बने रहेंगे या उन्हें अपना पद छोड़ना पड़ेगा। यह चुनाव साबित कर देंगे कि अब ब्रिटेन एक बंटी हुई राजनीति के दौर में प्रवेश कर चुका है। माना जा रहा है कि देश की जनता प्रधानमंत्री से काफी नाराज है और इसका सीधा असर चुनाव की वोटिंग में देखने को मिलेगा। ब्रिटेन की राजनीति अब कई अलग-अलग पार्टियों में बंटती हुई नजर आ रही है, जिससे सत्ताधारी पार्टी की मुश्किलें और भी ज्यादा बढ़ गई हैं।

कीर स्टार्मर की 'लेबर पार्टी' को इंग्लैंड की स्थानीय परिषदों के साथ-साथ स्कॉटलैंड और वेल्स की विधानसभाओं में होने वाले इन चुनावों में भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। कमजोर अर्थव्यवस्था और जनता की नाराजगी के कारण प्रधानमंत्री की लोकप्रियता काफी नीचे गिर गई है। विपक्षी पार्टियां गुरुवार को होने वाले इस चुनाव को स्टार्मर सरकार के दो साल के कामकाज पर एक कड़े जनमत संग्रह की तरह पेश कर रही हैं।

धुर-दक्षिणपंथी पार्टी 'रिफॉर्म यूके' ने तो इस चुनाव में अपना खास नारा ही 'रिफॉर्म को वोट दें, स्टार्मर को बाहर करें' रख लिया है। वैसे तो अगला राष्ट्रीय चुनाव साल 2029 तक नहीं

होना है, लेकिन अगर गुरुवार को लेबर पार्टी बुरी तरह हारती है, तो स्टार्मर के खिलाफ उनकी अपनी ही पार्टी में एक बड़ी बगावत शुरू हो सकती है। एक विशेषज्ञ के अनुसार, भारी जीत के दो साल के अंदर ही स्टार्मर अब लोगों की निराशा का बहुत बड़ा कारण बन गए हैं।

बढ़ा दी है प्रधानमंत्री की परेशानी : जुलाई 2024 में प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही कीर स्टार्मर ने कई ऐसी गलतियां की हैं, जिससे उनकी साख को भारी धक्का लगा है। उनकी सरकार अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, खस्ताहाल बुनियादी सेवाएं सुधारने और महंगाई कम करने के अपने वादों में पूरी तरह नाकाम रही है। इसके साथ ही, ईरान के साथ अमेरिकी-इस्त्राइली युद्ध के कारण यह काम और भी मुश्किल हो गया है। इस युद्ध ने होर्मुज के रास्ते से आने वाले तेल की सप्लाई को रोक दिया है। इसके अलावा, एक दागी छवि वाले पीटर मैंडेलसन को वाशिंगटन का राजदूत बनाने के उनके अजीब फैसले से भी देश की जनता और पार्टी के नेता बहुत ज्यादा खफा चल रहे हैं। स्टार्मर की जगह कौन सा नेता लेगा? जानकारों का अनुमान है कि लेबर पार्टी इंग्लैंड की 2,500 में से आधी से ज्यादा सीटें बहुत बुरी तरह हार सकती है। यह लेबर पार्टी और प्रधानमंत्री दोनों के लिए बहुत ही खतरे की घंटी है। अगर चुनाव में इतनी करारी हार होती है, तो स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग, पूर्व उप प्रधानमंत्री एंजेला रेनर या मेयर एंडी बर्नहैम जैसे बड़े नेता स्टार्मर को पद से हटाने के लिए सीधी चुनौती दे सकते हैं। नियम के अनुसार किसी भी नेता को ऐसा करने के लिए संसद में कम से कम 80 सांसदों के समर्थन की सख्त जरूरत होगी। जानकारों का साफ कहना है कि अब यह सवाल नहीं है कि स्टार्मर जाएंगे या नहीं, बल्कि बड़ा सवाल यह है कि वह कब जाएंगे। ब्रिटेन का राजनीति बदलने वाली हैं? दशकों से ब्रिटेन में केवल दो ही मुख्य पार्टियां सत्ता के आस-पास रही हैं, लेकिन अब यहां की राजनीति पूरी तरह बदल रही है। इस बार लेबर पार्टी का वोट 'ग्रीन पार्टी' और 'रिफॉर्म यूके' जैसी पार्टियों में बंटने की पूरी उम्मीद है। विशेषज्ञ कह रहे हैं कि ब्रिटेन अब 'पांच-पार्टी सिस्टम' की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। वेल्स में एक सदी से राज कर रही लेबर पार्टी अब तीसरे नंबर पर खिसक सकती है और वहां 'प्लेड सिमरू' पार्टी चुनाव जीत सकती है। वहीं, स्कॉटलैंड में 'स्कॉटिश नेशनल पार्टी' ने कड़ा ऐलान किया है कि अगर वह चुनाव जीती तो ब्रिटेन से आजादी के लिए एक नया जनमत संग्रह कराएगी। अब पुरानी राजनीति खत्म हो रही है और बदलाव तय माना जा रहा है।

पाकिस्तान के पेशावर में अमेरिका बंद करेगा वाणिज्य दूतावास, सुरक्षा के डर से ट्रंप का फैसला

चेन्नई, एजेंसी। अमेरिका ने पाकिस्तान में एक बहुत बड़ा कूटनीतिक कदम उठाया है। सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए अमेरिका ने पाकिस्तान के पेशावर शहर में स्थित अपने वाणिज्य दूतावास को पूरी तरह से बंद करने का बड़ा एलान कर दिया है। यह फैसला अचानक एक झटके में नहीं लिया गया है, बल्कि इसे चरणबद्ध तरीके से यानी धीरे-धीरे लागू किया जाएगा। अमेरिका के इस बड़े फैसले से पाकिस्तान में हलचल तेज हो गई है। अमेरिका ने दुनिया को साफ कर दिया है कि उसके लिए अपने राजनयिकों और कर्मचारियों की जान की सुरक्षा सबसे ज्यादा जरूरी है और वह इस मामले में कोई समझौता नहीं कर सकता है। अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को एक आधिकारिक बयान जारी करके इस बड़े फैसले की जानकारी पूरी दुनिया को दी। बयान में बताया गया है कि अमेरिका अपने पेशावर वाणिज्य दूतावास के कामकाज को हमेशा के लिए समेट रहा है। अब तक पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के साथ कूटनीतिक बातचीत और कामकाज की जो जिम्मेदारी पेशावर दूतावास के पास थी, वह अब सीधे इस्लामाबाद में स्थित अमेरिकी दूतावास को सौंप दी जाएगी। यह कदम बताता है कि अमेरिका पाकिस्तान के उस इलाके में अपने कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर कितना ज्यादा चिंतित है।

टेक्सास में अंधाधुंध फायरिंग में 2 की मौत और 3 घायल, पुलिस ने हमलावर को किया अरेस्ट

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका में एक माल में अंधाधुंध फायरिंग में 2 की मौत और 3 लोगों के घायल होने के बाद इलाके में भारी पुलिस बल को तैनात किया गया है। यह दर्दनाक घटना अमेरिका के टेक्सास राज्य में डलास के उत्तरी शहर कैरोलटन में मंगलवार को घटी है। एक अज्ञात व्यक्ति ने अचानक से वहां मौजूद पांच लोगों पर ताबड़तोड़ तरीके से गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। इस भयानक और हिंसक वारदात में दो लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग घायल हुए हैं। स्थानीय पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इस हमले के मुख्य आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच के अनुसार यह कोई अचानक किया गया हमला नहीं था बल्कि एक सोची-समझी साजिश लग थी। हमलावर और पीड़ित एक-दूसरे को पहले से जानते थे और उनके बीच कोई पुराना विवाद था। घायलों को इलाज के लिए तुरंत अस्पताल भेजा गया है और पूरे इलाके की बहुत ही कड़ी सुरक्षा की जा रही है। घातक हमले की क्या है असली वजह? कैरोलटन पुलिस प्रमुख रॉबर्टो एरेडोंडो ने बताया कि यह सभी लोग किसी खास व्यावसायिक मीटिंग के लिए मिले थे। हमले का असली मकसद अभी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हो पाया है लेकिन आपसी रंजिश की बड़ी आशंका जताई है। पुलिस इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि आखिर इस हिंसक वारदात को अंजाम देने की असली वजह क्या थी। यह दिल दहला देने वाली घटना कैरोलटन के कोरियाटाउन इलाके में स्थित एक प्रसिद्ध के टाउन प्लाजा में घटी है। यह प्लाजा डलास शहर से करीब 32.1 किलोमीटर दूर स्थित है और यहां हमेशा लोगों की काफी ज्यादा भीड़ रहती है। अचानक गोलीबारी की आवाज सुनते ही पूरे प्लाजा में भारी दहशत फैल गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कई पुलिस अधिकारी प्लाजा के अंदर हथियारों के साथ तलाशी लेते नजर आ रहे हैं। इस बड़े मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय पुलिस के साथ एफबीआई की टीम भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गई है। अन्य कई संघीय जांच एजेंसियां भी इस बड़े मामले की जांच करने में स्थानीय प्रशासन की मदद कर रही हैं। कारोबार के विवाद में किया हमला स्थानीय पुलिस के अनुसार व्यावसायिक मीटिंग के दौरान ही किसी बात को लेकर इन लोगों के बीच विवाद हुआ था। इसी गंभीर विवाद के चलते हमलावर ने गुस्से में आकर अपने ही साथियों पर जानलेवा फायरिंग करना शुरू कर दिया था। गिरफ्तार किए गए आरोपी से पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है ताकि इस पूरे मामले की सच्चाई का पूरी तरह पता चल सके।

ईरान के खिलाफ युद्ध खत्म, लेकिन शांति अभी दूर, ऑपरेशन एपिक फ्यूरी पर अमेरिकी विदेश मंत्री का एलान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गुरुवार तड़के घोषणा की कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी समाप्त हो गया है। इसके साथ ही दो महीने से अधिक समय से चल रही अशांति का अंत हो गया है, जो अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान के खिलाफ किए गए एक बड़े सैन्य संघर्ष के कारण उत्पन्न हुई थी। अली खामेनेई की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को रोकने के उद्देश्य से शुरू हुए इस संघर्ष ने तेहरान में भी भारी राजनीतिक उथल-पुथल मचा दी थी। खामेनेई की हत्या के बाद, उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को नया सर्वोच्च नेता नियुक्त किया गया, जो सत्ता में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का प्रतीक था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में इज़राइल की साझेदारी में शुरू किया गया व्यापक सैन्य अभियान, ऑपरेशन एपिक फ्यूरी, 28 फरवरी

को शुरू हुआ और खाड़ी क्षेत्र और व्यापक मध्य पूर्व को तीव्र अस्थिरता और संघर्ष के दौर में धकेल दिया।

ऑपरेशन की समाप्ति की घोषणा करते हुए रुबियो ने कहा कि ऑपरेशन एपिक फ्यूरी समाप्त हो गया है। हमने इस अभियान के उद्देश्यों को प्राप्त कर लिया है। हम ऐसी किसी और स्थिति की कामना नहीं करते। हम शांति का मार्ग अपनाना चाहेंगे। ट्रम्प एक समझौते को प्राथमिकता देंगे... जो कि अब तक ईरान ने नहीं चुना है। रुबियो ने क्षेत्र में विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य में, जो एक महत्वपूर्ण वैश्विक तेल पारगमन मार्ग है, समुद्री स्थिरता को बहाल करने के रणनीतिक महत्व पर भी जोर दिया। कई देशों ने - कुछ ने निजी तौर पर और कुछ ने सार्वजनिक रूप से अमेरिका से अपने जहाजों को मुक्त कराने और होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता बहाल करने में मदद करने का अनुरोध किया... और इसलिए राष्ट्रपति ट्रम्प ने आगे बढ़कर उनकी मदद की गुहार सुनी और अमेरिकी सेना को इन फंसे हुए जहाजों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का निर्देश दिया और यह जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और इस शासन के आर्थिक विनाश के कृत्य को समाप्त करने की दिशा में पहला कदम है। हम यह सिर्फ इसलिए नहीं कर रहे हैं क्योंकि हमसे अनुरोध किया गया था, बल्कि इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हम ही एकमात्र ऐसे हैं जो ऐसा कर सकते हैं... राष्ट्रपति ट्रम्प के नेतृत्व में, संयुक्त राज्य अमेरिका अपने मित्रों की मदद करेगा। हम तेहरान जैसे दुष्ट शासनों का डटकर सामना करेंगे और अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करने में संकोच नहीं करेंगे। तेहरान को कड़ी चेतावनी देते हुए रुबियो ने कहा, 'उनके लिए यह समझना बेहद ज़रूरी है कि उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका की इच्छाशक्ति को परखने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, कम से कम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शासनकाल में तो बिल्कुल नहीं। उन्होंने बार-बार साबित किया है कि वे अपने कहे पर खरे उतरते हैं। और अगर वे उन्हें चुनौती देंगे।

ईरान अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में बातचीत के लिए तैयार: राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान

तेहरान , एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने इराक के प्रधानमंत्री-नामित अली अल-जैदी के साथ फोन पर बातचीत की। इस दौरान पेजेशकियान ने कहा कि ईरान अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन वह किसी भी दबाव के आगे झुकेगा नहीं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, एक आधिकारिक बयान में राष्ट्रपति पेजेशकियान ने कहा, 'हमारी समस्या यह है कि एक ओर अमेरिका देश पर दबाव की नीति अपना रहा है और दूसरी ओर वह चाहता है कि ईरान बातचीत की मेज पर आए और आखिरकार उसकी एकतरफा मांगों के सामने आत्मसमर्पण कर दे। लेकिन यह असंभव है।' उन्होंने कहा कि ईरान मूल रूप से युद्ध और

असुरक्षा को किसी भी तरह से उचित विकल्प नहीं मानता। इसके साथ ही, पेजेशकियान ने कहा कि ईरान को परमाणु तकनीक से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अमेरिका ऐसे व्यवहार कर रहा है जैसे ईरान को परमाणु उद्योग रखने का अधिकार ही नहीं है। वह अत्यधिक मांगें सामने रखकर देश पर अतिरिक्त दबाव डालता है। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने आगे कहा कि पिछली सभी वार्ताओं में ईरान पूरी तरह तैयार था कि अंतरराष्ट्रीय नियमों और वैश्विक निगरानी के तहत जो भी आवश्यक हो, वह सब कुछ उपलब्ध कराए ताकि उसके परमाणु गतिविधियों के शांतिपूर्ण स्वरूप को सुनिश्चित किया जा सके।

दूसरी ओर, अल-जैदी ने इराक की ओर से ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता करने की तत्परता जताई, ताकि क्षेत्रीय संकटों को कम किया जा सके। अल-जैदी के मीडिया कार्यालय के एक बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने भविष्य में आधिकारिक यात्राओं के आदान-प्रदान पर भी सहमति जताई, ताकि द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत किया जा सके। बता दें कि 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने मिलकर तेहरान और ईरान के अन्य शहरों पर हमले किए थे, जिसमें तत्कालीन सुप्रीम लीडर अली खामेनेई, वरिष्ठ कमांडरों और नागरिकों की मौत हुई थी। इसके जवाब में ईरान ने इजरायल और मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। 8 अप्रैल को दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम हुआ, जिसके बाद 11 और 12 अप्रैल को पाकिस्तान के इस्लामाबाद में शांति वार्ता हुई, लेकिन वह बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई थी। फिलहाल, अमेरिका और ईरान लगातार समझौते के तहत युद्धविराम को जारी रखने की कोशिशों में जुटे हैं।

चीनी विदेश मंत्री की ईरानी समकक्ष से मुलाकात, द्विपक्षीय संबंधों और प. एशिया संकट पर चर्चा

बीजिंग, एजेंसी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने बुधवार को बीजिंग में अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से मुलाकात की। चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने इस बैठक की जानकारी दी। हालांकि, इसमें अधिक विवरण साझा नहीं किया गया। अराघची की यह पहली चीन यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब पश्चिम एशिया में तनाव जारी है। इस बीच, अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उम्मीद जताई कि चीन इस यात्रा के दौरान ईरान से होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण कम करने की बात करेगा और क्षेत्र में तनाव घटाने की दिशा में संदेश देगा। इससे पहले ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी ने जानकारी दी थी कि इस दौरे के दौरान अराघची अपने चीनी समकक्ष के साथ द्विपक्षीय संबंधों और पश्चिम एशिया में जारी संकट समेत क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

अपने चीन दौरे को लेकर अराघची ने क्या कहा था : अपनी यात्रा के दौरान अराघची चीन के अपने समकक्ष वांग यी के साथ दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने और मौजूदा वैश्विक स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। चीन के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि अराघची की यह यात्रा वांग यी के निमंत्रण पर हो रही है और दोनों नेताओं के बीच बातचीत होगी। अराघची ने टेलीग्राम पर एक बयान में कहा कि यह यात्रा कई देशों के साथ जारी कूटनीतिक बातचीत का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि इस दौरान वह चीन

के साथ द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

चीन से पहले तीन देशों का किया दौरा : कुछ दिनों पहले ही उन्होंने पाकिस्तान, ओमान और रूस का दौरा किया है। ये दौरे पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच बातचीत का हिस्सा हैं। पिछले महीने रूस दौरे के दौरान अराघची ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। पुतिन ने कहा था कि रूस पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने के लिए हरसंभव प्रयास करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के लोग अपनी संप्रभुता के लिए बहादुरी से लड़ रहे हैं। इस मुलाकात में अराघची ने अमेरिका और इस्त्राइल से संघर्ष और हमलों पर भी विस्तार से चर्चा की। पुतिन ने कहा कि रूस ईरान के हितों का समर्थन करेगा और क्षेत्र में शांति बहाल करने में मदद करेगा। पाकिस्तान दौरे के दौरान अराघची ने ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत की संभावनाओं पर भी चर्चा की। इसके बाद ओमान की यात्रा में उन्होंने समुद्री सुरक्षा पर फोकस दिया। वहां होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर चर्चा हुई, जो एक अहम समुद्री मार्ग है। अराघची ने कहा कि ईरान और ओमान दोनों इस जलडमरूमध्य के तटीय देश हैं।

अमेरिका में फिर शुरू होगा पुराना 'प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट' कार्यक्रम, ट्रंप ने की घोषणा

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक पुराने 'प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट' कार्यक्रम को फिर से शुरू करने की घोषणा की है। यह कार्यक्रम पहले अमेरिकी स्कूलों में बच्चों की शारीरिक फिटनेस जांचने के लिए चलाया जाता था, लेकिन बराक ओबामा सरकार के दौरान इसे बंद कर दिया गया था। व्हाइट हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम में ट्रंप ने खिलाड़ियों, अधिकारियों और बच्चों के साथ मिलकर युवाओं में फिटनेस और खेल भावना को बढ़ावा देने की बात कही। इस कार्यक्रम में मशहूर गोल्फ ब्रायसन डीचैम्ब्यू, गोल्फर गैरी प्लेयर और पूर्व एनएचएल खिलाड़ी टी. जे. ओशी जैसे पेशेवर एथलीट भी शामिल हुए। ट्रंप ने कहा, 'आज मैंने एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें राष्ट्रीय युवा खेल और फिटनेस को मान्यता दी गई है। साथ ही, मैंने नए और फिर से शुरू किए गए 'प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट अवार्ड' की पहली प्रति पर भी हस्ताक्षर किए हैं। यह एक ऐसा प्रमाणपत्र है जो शारीरिक फिटनेस के 'गोल्ड स्टैंडर्ड' (सर्वोच्च मानक) को हासिल करने की उपलब्धि को मान्यता देता है।'

यह कार्यक्रम जॉन एफ. केनेडी के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान शुरू किया गया था। 2013 में एक नया कार्यक्रम आने से पहले यह लंबे समय तक अमेरिकी स्कूलों का एक अहम हिस्सा रहा था। ट्रंप ने अपने भाषण में खेल प्रतियोगिता और अनुशासन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा अमेरिका की पहचान है और देश को आगे बनाए रखने के लिए जरूरी है। स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव

रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने कहा, 'अब हम दुनिया के सबसे ज्यादा बीमार देशों में से एक बन गए हैं। हमारे बच्चों में मोटापे का स्तर 5 प्रतिशत से बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंच गया है। 70 प्रतिशत वयस्क मोटे या ज़्यादा वज़न वाले हैं और 77 प्रतिशत बच्चे सैन्य सेवा के लिए जरूरी शारीरिक मानकों को पूरा नहीं कर पाते हैं। केनेडी ने अपने अंकल, राष्ट्रपति कैनेडी के कार्यकाल में शुरू किए गए मूल कार्यक्रम की भी सराहना की। उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए एक ऐसी यादगार और अहम रस्म थी, जिसे मेरी पीढ़ी का हर व्यक्ति आज भी याद करता है।' अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि युवाओं की शारीरिक फिटनेस सीधे सेना की तैयारी से जुड़ी हुई है। उन्होंने चिंता जताई कि लगभग तीन-चौथाई अमेरिकी युवा सेना में भर्ती होने के योग्य नहीं हैं। प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट को शीत युद्ध के दौर में राष्ट्रीय स्तर पर शुरू किया गया था, जब यूरोपीय युवाओं की तुलना में अमेरिकी युवाओं की शारीरिक तैयारी को लेकर चिंताएं बढ़ रही थीं। इस टेस्ट में आम तौर पर पुल-अप्स, सिट-अप्स, शटल रन और सहनशक्ति वाले व्यायाम शामिल होते थे और सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए जाते थे। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भारत समेत कई देशों में बच्चों के बीच बढ़ते मोटापे, मोबाइल और स्क्रीन की लत तथा कोविड महामारी के बाद कम हुई शारीरिक गतिविधियों को लेकर चिंता बढ़ रही है। इसी कारण कई सरकारें फिटनेस, खेल और स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चला रही हैं।